हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 03.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 275 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली : **केंद्र सरकार** ने आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों तक त्वरित सूचना पहुंचाने के उद्देश्य से सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का आज यहां परीक्षण किया जिसमें सभी प्रकार के मोबाइल के स्क्रीन पर एक ही समय में एक मैसेज बॉक्स में आपात स्थिति का संदेश उभरता है तथा ध्यान आकृष्ट करने के लिए एक विशिष्ट प्रकार की बीप ध्वनि के साथ वाइबेट करता है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह एक कार्यक्रम में रिमोट के माध्यम से इसके देशव्यापी परीक्षण को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने प्रसिद्ध गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से शनिवार को एक जारी बयान में यह जानकारी दी गई।

मां ने चार बच्चों को उतारा मौत के घाट

अंबेडकरनगर : अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर तीन बजे एक घर में बिस्तर पर चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और बच्चों की मां घर से गायब थी। बताया जा रहा है कि महरुआ निवासी नियाज की पत्नी अपने पुत्र शफीक, सउद, उमर व पुत्री बयान के साथ मीरानपुर में रहती थी। नियाज सऊदी अरब में पिछले कई वर्षों से नौकरी करता है और उसने वहीं पर किसी पाकिस्तानी महिला से निकाह भी कर लिया।

झारखंड में राष्ट्रीय जनगणना-2027 की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर हुई शुरू, सीएम व राज्यपाल ने पूरी की 'स्व-गणना प्रकिया', सीएम ने कहा

यह केवल आंकड़े नहीं, बेहतर भविष्य का आधार है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में राष्ट्रीय जनगणना-2027 की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शनिवार को कांके रोड स्थित अपने आवासीय कार्यालय में 'स्व-गणना' की प्रक्रिया पूरी कर राज्य में इस अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सह विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रक्रिया राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा जनगणना केवल आंकड़े जुटाना नहीं है, बल्कि यह आम जनता के भविष्य को सही दिशा देने का आधार है। सटीक डेटा से हमें सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक श्री प्रभात कुमार, रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, नगर आयुक्त सुशांत गौरव सहित जनगणना निदेशालय और जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सभी झारखंड वासियों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी की अपील की है।

क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने जनगणना अधिकारियों को विशेष सुझाव देते हुए कहा कि इस कार्य में क्षेत्रीय भाषाओं के जानकार कर्मियों और पदाधिकारियों को शामिल किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में संवाद और डेटा संग्रह में कोई त्रुटि न हो। उन्होंने इस डिजिटल और तकनीकी पहल की सराहना की।

स्व-गणना की प्रक्रिया और समय-सीमा

मुख्यमंत्री को जनगणना निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण और डेटा संग्रह की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्व-गणना का चरण 1 मई से शुरू हो चुका है और 15 मई तक चलेगा। 16 मई से 14 जून 2026 तक पूरे राज्य में मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इसके बाद प्रगणक घर-घर जाकर डेटा संग्रह करेंगे, जिसके लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राज्यपाल ने की 'स्व-गणना', बोले- सटीक आंकड़े ही सशक्त नीति-निर्माण का आधार

झारखंड में जनगणना-2027 के महाअभियान का आगाज हो गया है। शनिवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में स्वयं की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर राज्य में स्व-गणना प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने इस अभियान को राष्ट्र के विकास के लिए एक अनिवार्य कदम बताया। प्रक्रिया पूरी करने के बाद राज्यपाल ने जनगणना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी राज्य या राष्ट्र की प्रगति के लिए सही आंकड़ों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा जनगणना से प्राप्त डेटा के आधार पर ही भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का खाका तैयार किया जाता है। इस जनगणना के माध्यम से जनसंख्या, परिवार की संरचना और सामाजिक-आर्थिक स्थिति की सटीक जानकारी मिलेगी। पहले चरण में मकानों की सूची तैयार की जाएगी, जिसमें 33 विभिन्न प्रकार के आंकड़े जुटाए जाएंगे।

धनबाद : स्लरी की चपेट में आकर कई मजदूर दबे, चार शव बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के मुनिडीह स्थित बीसीसीएल की कोल वाशरी में एक बड़ा हादसा सामने आया है। ट्रक पर स्लरी (कोयला डस्ट) की लोडिंग के दौरान अचानक स्लरी का भारी मलबा गिरने से कई मजदूर उसमे दब गए। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। बचाव दल ने अब तक 4 शवों को मलबे से बाहर निकाल लिया है। मलबे में कई अन्य मजदूरों के दबे होने की आशंका है।

जानकारी के अनुसार, वाशरी प्रोजेक्ट में स्लरी लोडिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मलबा ढह गया और काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।जेसीबी व अन्य मशीनों की मदद से मलबे को हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। ताकि दबे हुए लोगों को जल्द से जल्द निकाला जा सके। इस दर्दनाक घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल है।

आईईडी निष्क्रिय करते समय बड़ा धमाकाः तीन जवान बलिदान

एजेंसी

कांकेर/रायपुर : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी को निष्क्रिय करने के दौरान हुए आकस्मिक विस्फोट में सुरक्षा बल के तीन जवान बलिदान हो गए। इस घटना में एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगलों में डीआरजी की टीम डी-माइनिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान पर निकली थी। इसी दौरान सुरक्षा बलों को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया आईईडी मिला। जब टीम उसे निष्क्रिय करने का प्रयास कर रही थी, तभी अचानक जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी चपेट में आने से चार जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मौके पर ही इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा, कॉन्स्टेबल संजय गढपाले तीनो जवानों ने अपनी अंतिम सांस ली। गंभीर रूप से घायल जवान परमानंद कोमरा को तत्काल रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर (रायपुर) रेफर कर दिया गया है। आईजी सुंदरराज पी. ने दी जानकारी बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हाल के दिनों में आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर पूरे बस्तर रेंज में छिपे हुए आईईडी को खोजने और निष्क्रिय करने का अभियान चलाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी को दिया झटका

मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती मामले में दखल देने से किया मना

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले तृणमूल कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। मतगणना में केंद्र सरकार के कर्मचारियों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में कोई आदेश देने की जरूरत नहीं है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि चुनाव आयोग का फैसला पूरी तरह से नियमों के दायरे में है।

तृणमूल की याचिका पर सुनवाई के लिए शनिवार को विशेष रूप से दोनों जज बैठे थे। तृणमूल कांग्रेस की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग पर मनमानी का आरोप लगाया। लेकिन बेंच ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने साफ किया कि मतगणना के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति चुनाव आयोग का अधिकार है।

बेंच के अध्यक्ष जस्टिस बागची ने कहा, चुनाव आयोग के सर्कुलर में ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि कर्मचारी सिर्फ केंद्र का ही होगा। लेकिन अगर वह ऐसा लिख भी देते, तब भी हम उन्हें गलत नहीं कहते। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि मतगणना केंद्र में सीसीटीवी कैमरा होगा, वहां राजनीतिक पार्टियों के एजेंट होंगे। ऐसे में याचिकाकर्ता की आशंका का कोई आधार नहीं है।

प. बंगाल में पुनर्मतदान, 90 फीसदी हुआ मतदान

दक्षिण 24 परगना : पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर जारी पुनर्मतदान प्रक्रिया के दौरान 90 प्रतिशत तक मतदान दर्ज किया गया। मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के चार मतदान केंद्रों पर वोटिंग शांतिपूर्ण तरीके से हुई। चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर निर्वाचन आयोग ने इस सीट पर पुनर्मतदान का आदेश एक दिन पहले दिया था। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर सीट के चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित मतदेय केंद्र संख्या-179 पर एक दिव्यांग मतदाता और उसकी मां के साथ केंद्रीय बलों ने दुर्व्यवहार किया। इस कथित घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

डोनाल्ड ट्रंप ने ठुकराया ईरान का शांति प्रस्ताव

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलने की उम्मीदों को लगा झटका

एजेंसी

नयी दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान द्वारा भेजे गए हालिया शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस फैसले से खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संकट और गहरा गया है।

ईरानी अधिकारियों के अनुसार, इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य विश्वास बहाली और संघर्ष को समाप्त करना था। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलना। अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को हटाना। परमाणु कार्यक्रम जैसे जटिल मुद्दों पर बातचीत को अगले चरण के लिए टालना। प्रतिबंधों में ढील मिलने पर ईरान अपने यूरैनियम संवर्धन कार्यक्रम को सीमित करने पर विचार कर सकता था।

वैश्विक ऊर्जा संकट और वर्तमान स्थिति

पिछले दो महीनों से ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर लगभग पूरी तरह रोक लगा रखी है। इसके जवाब में अमेरिका ने भी ईरानी बंदरगाहों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। पिछले चार हफ्तों से प्रत्यक्ष हमले रुके होने के बावजूद, किसी ठोस समझौते के अभाव में वैश्विक तेल और ऊर्जा की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

ट्रंप ने क्यों किया इनकार?

राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह इस प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। हालांकि उन्होंने किसी विशेष बिंदु का जिक्र नहीं किया, लेकिन अमेरिका का रुख हमेशा से सख्त रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से स्थायी रूप से रोक सके। परमाणु मुद्दों को बातचीत के अंतिम चरण में रखने के बजाय उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ईरान चाहता है कि अमेरिका उसके शांतिपूर्ण परमाणु अधिकारों को मान्यता दे, लेकिन अमेरिका सुरक्षा गारंटी के बिना किसी भी ढील के पक्ष में नहीं है।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय भारत सरकार

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-1)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

क्या स्व-गणना अनिवार्य है?
नहीं, यह अतिरिक्त सुविधा है, यदि आप स्व-गणना नहीं करते तो प्रगणक आपके घर आकर जानकारी दर्ज करेगा

क्या मैं किसी भी भाषा में स्व-गणना कर सकता / सकती हूँ?
यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी और 14 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है

क्या स्व-गणना के लिए इंटरनेट जरूरी है?
हाँ, पोर्टल तक पहुँचने और जानकारी भरने के लिए इंटरनेट आवश्यक है

क्या मेरी जानकारी सुरक्षित है?
हाँ, सभी डेटा सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और सरकारी सर्वरों में संरक्षित है

SE ID क्या है और इसका उपयोग क्या है?
सबमिशन के बाद आपको एक विशिष्ट 11 अंकों की SE ID मिलेगी (SMS / email से), जिसे प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना आवश्यक होगा

यदि SE ID भूल जाएँ तो क्या करें?
पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से SE ID पुनः प्राप्त की जा सकती है

क्या स्व-गणना के बाद भी प्रगणक आएगा?
हाँ, प्रगणक आपके घर आएगा और SE ID के आधार पर जानकारी की पुष्टि करेगा

क्या मुझे कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता है?
नहीं, किसी भी दस्तावेज़ को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है

क्या पोर्टल पर सहायता उपलब्ध है?
हाँ, पोर्टल पर, यूज़र गाइड, फ्लोचार्ट, ट्यूटोरियल वीडियो, FAQs और टूलटिप्स के रूप में सहायता उपलब्ध है

टोल फ्री - 1855

CBC 19108/13/0079/2627

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

एक नजर

बिजली की चपेट में आने से बैल की मौत मुआवजे की मांग

बड़कागांव : गुड़कुवा (आंगों) बड़कागांव के मुख्य सड़क के किनारे – किनारे से 11000 बिजली का तार असवा गांव में पानी टंकी के लिए ले जाया गया है। शुक्रवार के दिन प्रतिदिन के भांति ग्राम गुड़कुवा नहरिया टोला निवासी कजरू कच्छप पिता स्वर्गीय बालदेव उरांव का बैल चारा चरने के लिए पास के जंगल की ओर गया।इस दरमियान गुड़कुवा–बड़कागांव मुख्य पथ के तरवादाह के समीप 11000 बिजली की एक खंभे में करंट उतरने से कजरू कच्छप का लाल रंग की एक बैल को करंट लगने से मौके पर मौत हो गई।ग्रामीणों का कहना है कि उरेज कॉलोनी से लेकर असवा पानी टंकी तक कई पोल खुट्टा जर्जर एवं गिरने के कगार पर है।वहीं बिजली के तार कई स्थानों पर झुल गए हैं।जिसे शीघ्र बदलने की आवश्यकता है। अन्यथा कभी भी बड़ी घटना घट सकती है। विशेष कर घटनास्थल पर दो पोल खुट्टा सड़क की ओर झुक गया है। जिससे बड़ी वाहनों के आवागमन करने में काफी कठिनाई हो रही है।जल्द ठीक नहीं किया गया तो बड़ी घटना घट सकती है।इसलिए ग्रामिणों ने मांग किया है कि जर्जर पोल खुट्टा एवं तार को बदले जाए।और कई स्थानों पर पॉल खुट्टा की दूरी होने के कारण तार काफी झुल हैं। पोल लगाया जाए ताकि भविष्य में कोई बड़ी घटना ना घट जाए।बताते चले की कई स्थानों पर बिजली के करंट के डर से बड़े वाहन ड्राइवर गाड़ी को कालीकरण सड़क से नीचे उतर कर काफी मशक्कत से आवागमन कर रहें हैं। वहीं बैल की मौके पर मौत हो जाने से किसान काफी मर्माहत है। उनका कहना है कि अब हमें खेती–बाड़ी करने में काफी परेशानी होगी इसलिए हम बिजली विभाग से मुआवजा की मांग करते हैं।

उपायुक्त ने बड़कागांव प्रखंड का किया औचक निरीक्षण

बड़कागांव : हजारीबाग उपायुक्त हेमंत सती ने बड़कागांव प्रखंड के कई दफ्तरों का औचक निरीक्षण किया। 10 :40 बजे सुबह में बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचे, जिससे कर्मियों में अपरातफरी मच गई। डीसी ने प्रखंड सभागार भवन में चल रहे जनगणना प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण किया, डीसी ने तकरीबन 10 मिनट तक प्रशिक्षुओं को कई महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए ,ताकि बेहतर तरीके से कर्मी ,जनगणना का कार्य संपन्न कर सके। तत्पश्चात बड़कागांव पूर्वी पंचायत भवन का निरीक्षण किया, जिसमें पंचायत सेवक नदारत रहे। डीसी ने प्रखंड सह अंचल परिसर में तमाम जर्जर मकान को एक माह के अंदर ध्वस्त करने का सख्त निर्देश दिया है तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा है। वही उपायुक्त ने बड़कागांव प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और संचालित लैब, ओपीडी, लेबर, दवा स्टोरेज रूम एवं अन्य केंद्र का बारीकी से निरीक्षण किया। व्यवस्था से संतुष्टि जाहिर की। परंतु डीसी ने अस्पताल को और बेहतर करने के लिए प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार से 6 मई को अस्पताल की अन्य विकास कार्य के लिए डिमांड लेकर मांगा है। ताकि मरीजों को पहले से और बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए जा सके। वही डीसी ने बड़कागांव में कई वर्षों से बंद पड़े लाइब्रेरी को जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिए ,ताकि विद्यार्थी अपनी जरूरत के पुस्तकों से आवश्यक अध्ययन प्राप्त कर सके। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, डॉ अविनाश कुमार ,प्रखंड पंचायती राज्य समन्वयक समन्वयक आशीष कुमार पासवान, कृषि पदाधिकारी पंकज गुप्ता, सांख्यिकी पदाधिकारी इंदु शेखर के अलावा अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बाबा साहेब अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण, पूर्व सीएम सुदेश महतो हुए मुख्य अतिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड के ग्राम मलकोको में शुक्रवार को संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सुदेश महतो उपस्थित हुए।

विधायक-पूर्व विधायक समेत कई गणमान्य पहुंचे

समारोह में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, मांडू विधायक तिवारी महतो, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव, आजसू नेता संजय मेहता, रांची से देवशरण भगत व निशा भगत, जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किसुन यादव, मलकोको मुखिया विजय कुमार यादव, पूर्व जिप सदस्य प्रतिनिधि कयूम अंसारी, जीप सदस्या प्रीति गुप्ता, बसपा नेता संतोष रविदास, पंसस सहदेव प्रसाद, समाजसेवी गुरुदेव गुप्ता, भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी, भगवान केशरी, डॉ. अनिल, डिग्री कॉलेज प्रिंसिपल जयप्रकाश आनंद, मैगनेट फिजिक्स के दिलीप सर, अधीर सर, युवा नेता राज सिंह चौहान, अर्जुन दास, लक्ष्मण राव अंबेडकर, मेराज अंसारी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

जल यात्रा से हुई शुरूआत, प्रतिमा का अनावरण

कार्यक्रम की शुरूआत जल यात्रा से हुई। सभा स्थल पर सभी अतिथियों को बुके, माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों का बारी-बारी से संबोधन हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि सुदेश महतो सहित सभी अतिथियों ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।

कॉमेडी और भीम जागरण बना आकर्षण

समारोह में खोरठा कॉमेडी के मशहूर कलाकार उपेंद्र यादव, गिरजनंदन शर्मा एवं संतोष प्रताप ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को खूब गुदगुदाया। रात्रि में भीम चर्चा व भीम जागरण का आयोजन हुआ। गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से आए राष्ट्रीय मिशन गायक प्रीति बौद्ध एवं रविराज बौद्ध ने गीत-संगीत के माध्यम से बाबा साहेब के विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

आयोजन कमेटी ने संभाली व्यवस्था

कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजन कमेटी के अध्यक्ष गुलाब कुमार दास ने की, जबकि संचालन संयोजक सूरज दास ने किया। कमेटी के शंकर दास, गणेश दास, लक्ष्मण दास, दिनेश दास, बिरजू दास, नागेश्वर दास, महेंद्र दास, प्रमोद दास, संतोष दास, बिनोद दास, मंटू कुमार दास, अनिल कुमार दास, दीपक दास, सोनू दास, भीम दास, संजय दास आदि सक्रिय रहे।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में श्रमिक दिवस व बुद्ध पूर्णिमा पर विविध कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में श्रमिक दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने ड्रॉइंग प्रतियोगिता, कविता पाठ एवं भगवान बुद्ध के विचारों को साझा कर कार्यक्रम को अर्थपूर्ण बनाया। कार्यक्रम में छात्रों ने श्रमिकों के योगदान को दशार्ते हुए आकर्षक चित्र बनाए और समाज में उनके महत्व को समझने का संदेश दिया। वहीं कविता पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत कर सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान बुद्ध के उपदेशों शांति, करुणा और अहिंसा को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं। श्रमिक दिवस हमें मेहनत और समर्पण का महत्व सिखाता है, जबकि भगवान बुद्ध के विचार हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

घर में घुसकर मां-बेटी से मारपीट, छेड़छाड़ और लूटपाट, पुलिस से कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के ईचाक थाना क्षेत्र में 25 अप्रैल 2026 की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ कुछ लोगों ने एक महिला के घर में जबरन घुसकर उसकी और उसकी बेटी के साथ मारपीट की, गाली-गलौज की, लज्जा भंग करने का प्रयास किया और लूटपाट भी की। पीड़िता पार्वती देवी ने ईचाक थाना प्रभारी को एक आवेदन देकर मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना 25 अप्रैल 2026 को रात लगभग 10:30 बजे की है, जब पार्वती देवी अपने पति की अनुपस्थिति में अपने घर, जो कि सायल खुर्द में स्थित है, में मौजूद थीं। अचानक प्रदीप कुमार मेहता, पंकज कुमार मेहता, नागेश्वर मेहता और किरण देवी सहित कुछ अन्य लोग उनके घर में जबरन घुस आए। ये सभी ग्राम सायल खुर्द, पोस्ट रतनपुर, थाना ईचाक, जिला हजारीबाग के निवासी बताए जा रहे हैं। घर में घुसते ही इन लोगों ने पार्वती देवी और उनकी बेटी के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। जब बेटी ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, तो पंकज कुमार मेहता और प्रदीप कुमार मेहता ने उसका मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिया। पंकज कुमार मेहता ने जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से बेटी पर हमला करने का प्रयास किया, जबकि प्रदीप कुमार मेहता ने डंडे से बेटी के जांघ और सिर पर वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। अपनी बेटी को बचाने आईं पार्वती देवी के साथ भी मारपीट और गाली-गलौज की गई। हमलावरों ने उनके गले से सोने की चेन भी जबरन छीन ली। इसके अलावा, प्रदीप कुमार मेहता और पंकज कुमार मेहता ने मां-बेटी के कपड़े भी फाड़ दिए, जिससे वे वस्त्रहीन हो गईं। शोर-शराबा सुनकर गाँव के लोग मौके पर पहुँचे, जिसके बाद मां-बेटी की इज्जत बच सकी। पार्वती देवी ने थाना प्रभारी से इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेते हुए सन्हा दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि इस पुनीत कार्य के लिए वह और उनका परिवार पुलिस प्रशासन के सदैव आभारी रहेंगे।

कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई पुलिस की भूमिका और चुप्पी चिंताजनक : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार को संसदीय समिति के दौरे से लौटने के उपरांत सांसद सेवा कार्यालय परिसर में एक महत्वपूर्ण प्रेस-वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दो प्रमुख विषयों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। सांसद मनीष जायसवाल ने अपनी बात की शुरूआत हजारीबाग की ध्वस्त कानून व्यवस्था से करते हुए कहा कि अपराधियों ने जिले के नए पुलिस अधीक्षक का स्वागत लगातार बड़ी आपराधिक घटनाओं के साथ किया है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि नए एसपी को ज्वाइन किए महज 10-12 दिन ही हुए हैं और इस अल्प अवधि में जिस प्रकार की बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया गया है, वह अत्यंत गंभीर और सोचनीय विषय है।

उन्होंने हालिया घटनाओं का विवरण देते हुए कहा कि 22 अप्रैल को बड़कागांव के 13 माइल क्षेत्र में एक हाईवा को आग के हवाले कर दहशत फैलाने की कोशिश की जो बहुत दिनों बाद ऐसी घटना हुई। बीते 17 से 19 अप्रैल के बीच मुफस्सिल थाने में एक दलित महिला और दो वर्षीय दुधमुंहे बच्चे को 38 घंटे तक हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं और उनकी पिटाई की गई। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस कर्मियों ने अपने ही नए कप्तान को यह चुनौती दी है कि उनके आने के बाद भी वे ऐसी करतूतें जारी रखेंगे। इस मामले में पीड़ित द्वारा शिकायत के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सांसद मनीष जायसवाल ने बैंक डकैती की घटना पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि हजारीबाग को याद भी नहीं कि यहाँ आखिरी बार बैंक डकैती कब हुई थी, लेकिन बीते 24 अप्रैल को बरही में हथियारबंद अपराधियों ने दिनदहाड़े 'बैंक ऑफ महाराष्ट्र' में घुसकर करीब 6 से 7 करोड़ रुपये के मूल्य के सामान और कैश की लूट की और आसानी से चंपत हो गए।

सड़क दुर्घटना में अजय राणा गंभीर रूप से घायल, आर्थिक मदद की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड के करियातपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम सलोन गारलाही निवासी 42 वर्षीय अजय राणा एक भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस हादसे में उनकी पत्नी और बच्ची को भी चोटें आईं, हालांकि प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। घटना के बाद अजय राणा की हालत चिंताजनक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि उनका एक हाथ पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। फिलहाल उन्हें रांची के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनके इलाज में लगभग 10 से 15 लाख रुपये तक खर्च आने की संभावना है। अजय राणा अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं। ऐसे में इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करना परिवार के लिए बेहद मुश्किल हो गया है। वहीं

उनकी पत्नी और बच्ची के इलाज का खर्च भी परिवार पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। इस कठिन परिस्थिति में उनके पुत्र सोनू कुमार राणा ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, स्थानीय सांसद और विधायक से आर्थिक सहायता की अपील की है। साथ ही उन्होंने आम जनमानस से भी मदद की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार ने सहयोग के लिए बैंक खाता भी साझा किया है, जिसमें इच्छुक लोग अपनी सहायता राशि भेज सकते हैं। खाता संख्याः 488418210004883 IFSC कोडः **BKID0004884** परिवार ने भावुक अपील करते हुए कहा है कि लोगों का छोटा सा सहयोग उनके लिए बड़ा सहारा बन सकता है।

पत्नी की हत्या मामले का खुलासा: पति ने ही पिता के साथ मिलकर रची थी साजिश, तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : केरेडारी थाना क्षेत्र में 26 अप्रैल की रात कोले स्टेशन के पास हुई महिला मंजू देवी की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। हत्या किसी अपराधी ने नहीं, बल्कि पति ने ही अपने पिता और दो साथियों के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने पति विकास प्रजापति, उसके पिता नरेश प्रजापति और शूटर लालेश्वर गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। चौथा आरोपी सुनील गंझू फरार है। इस बाबत एसपी अमन कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी।

26 अप्रैल की रात हुई थी वारदात

26 अप्रैल 2026 को रात करीब 9:15 बजे कोले स्टेशन के पास बाइक सवार पति-पत्नी को गोली मारी गई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान पत्नी मंजू देवी की मौत हो गई थी, जबकि घायल पति विकास प्रजापति को रांची रिम्स रेफर किया गया था।

एफआईआर के बाद एसआईटी का गठन

घायल विकास के बयान पर 27 अप्रैल को केरेडारी थाना में कांड संख्या-53/26, धारा-103(1)/118(2)/309(6) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक पवन कुमार के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई।

ऐसे खुली साजिश की परतें

तकनीकी जांच और पूछताछ में विकास टूट गया। उसने कबूला कि घर में पत्नी से लगातार विवाद और पंचायत के कारण वह परेशान था। पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए उसने पिता नरेश प्रजापति और सुनील गंझू के साथ मिलकर प्लान बनाया। तय हुआ कि लूटपाट का बहाना बनाकर हेन्देगीर-कोले के बीच जंगल में मंजू देवी को मार दिया जाएगा।

घात लगाकर मारी गोली, खुद को भी लगवाई

प्लान के तहत सुनील गंझू और लालेश्वर गंझू पहले से हेन्देगीर के पास बाइक लेकर घात लगाए थे। मार्केटिंग कर लौट रहे विकास और मंजू जैसे ही कोले रेलवे स्टेशन के पास पहुंचे, दोनों ने देशी कट्टे से मंजू को गोली मार दी। पुलिस को गुमराह करने के लिए विकास ने अपनी बांह में भी गोली लगवा ली थी।

गिरफ्तार, बाइक बरामद

विकास की निशानदेही पर पुलिस ने नरेश प्रजापति ग्राम राय, खलारी, रांची और लालेश्वर गंझू ग्राम हरिलेटा, बुढमू, रांची को गिरफ्तार किया। वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली गई है। मुख्य शूटर सुनील गंझू की तलाश में छापेमारी जारी है।

गिरफ्तार अभियुक्त

विकास कुमार प्रजापति 30 वर्ष, पिता नरेश प्रजापति, राय, खलारी, रांची, नरेश प्रजापति 56 वर्ष, पिता स्व0 सिताराम प्रजापति, राय, खलारी, रांची , लालेश्वर गंझू 22 वर्ष, पिता डेगन गंझू, हरिलेटा, बुढमू, रांची, एसपी अमन कुमार ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सफल दाम्पत्य के 41वें वर्षगांठ पर त्रिवेणी साव ने बच्चों संग मनाया आनंदोत्सव

बरही : तुरियाटोला पडिरमा में एक सुखद और प्रेरणादायक अवसर देखने को मिला, जहाँ क्षेत्रसेवा प्रमुख त्रिवेणी साव और उनकी धर्मपत्नी ने अपनी सफल दाम्पत्य यात्रा के 41वें वैवाहिक वर्षगांठ को बाल संस्कार केंद्र के बच्चों के साथ मनाया। इस आनंदोत्सव के दौरान बच्चों के बीच स्टेशनरी उपहार और मिठाइयों का वितरण किया गया, जिससे उनके चेहरों पर खुशी छा गई। यह आयोजन तुरियाटोला पडिरमा स्थित बाल संस्कार केंद्र में हुआ, जो विगत ढाई वर्षों से स्थानीय बच्चों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह केंद्र 3 से 13 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्रतिदिन डेढ़ घंटे तक संस्कारक्षम शिक्षा प्रदान करता है। इसमें ब्रह्मनाद, गायत्री मंत्र, मां सरस्वती वंदना, सुभाषित, दोहे, व्यायाम योग, योगासन और खेलकूद जैसी गतिविधियां शामिल हैं, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास में सहायक हैं। वर्तमान में, यह केंद्र श्रीमती सीमा देवी के आवासीय आंगन में संचालित हो रहा है।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा कार्यविभाग के व्यापक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला गया। आरएसएस का सेवा कार्यविभाग 1990 में प्रारंभ हुआ था और पिछले 35 वर्षों में इसने देश भर में एक लाख तीस हजार से अधिक सेवा प्रकल्प स्थापित किए हैं। ये प्रकल्प शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता और स्वावलंबन के चार आयामों पर केंद्रित हैं, जिनका उद्देश्य वंचित, पीड़ित, शोषित और अभावग्रस्त बस्तियों में अंत्योदय और सामाजिक समरसता का निर्माण करना है। त्रिवेणी साव और उनकी धर्मपत्नी का यह कार्य आरएसएस के सेवाभाव और समाज के प्रति समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

झारखंड पेंशनर कल्याण समाज सह बुद्धिजीवी मंच ने मनाई मजदूर दिवस

बरही : मजदूर दिवस के अवसर पर झारखंड पेंशनर कल्याण समाज सह बुद्धिजीवी मंच की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालना और मजदूर आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था। बैठक की अध्यक्षता ईशो सिंह ने की, जबकि संचालन महेंद्र प्रसाद दुबे द्वारा किया गया। बैठक में दुनिया भर के उन तमाम मजदूरों को जागृत करने और उनके वास्तविक हक दिलाने में शहीद हुए मजदूर नेताओं को श्रद्धांजली दी गई। उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन भी रखा गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया गया। मौके पर ईशो सिंह,कामता सिंह, जग नारायण प्रसाद, महेंद्र प्रसाद दुबे, रामेश्वर महतो, नकुल देव राणा, कैलाश प्रसाद, लक्ष्मण प्रसाद, कैलाश पति सिंह अनमोल राणा, रामचंद्र पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

बुनियादी विद्यालय पंचमाधव में छात्रों के बीच पाठ्य सामग्री का किया गया वितरण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत पंचमाधव में संचालित बुनियादी विद्यालय में छात्रों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप ने विद्यालय के नामांकित 127 बच्चों में से 95 बच्चों को स्कूल बैग, किताब, रबर, पेंसिल एवं ज्योमेट्री बॉक्स का वितरण किया। इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है और बच्चों को इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। मौके पर शिक्षिका बिंदिया देवी, मनोज कुमार घोष, सरफराज खान, सरस्वती कुमारी, गायत्री सिन्हा, दामोदर साहू सहित प्रबंधन समिति की अध्यक्ष सरिता कुमारी उपस्थित थीं। इस पहल से छात्रों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ा है, वहीं अभिभावकों ने भी इस प्रयास की सराहना की।

पत्रकारों के साथ मारपीट मामले को लेकर राज्यपाल के नाम बीडीओ, सीओ को सौंपा ज्ञापन

बड़कागांव : हजारीबाग शेख भिखारी हॉस्पिटल के प्रांगण में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से कुछ पत्रकारों द्वारा समस्याओं को लेकर सवाल पूछे जाने के दौरान दो पत्रकार आशीष कुमार साव एवं सुशांत सोनी को कुछ लोगों द्वारा मारपीट किया गया। जिससे दोनों पत्रकार घायल हो गए थे। मामले को लेकर भुक्तभोगी पत्रकारों द्वारा हजारीबाग सदर थाना में आवेदन दिया गया है । परंतु आज तक मामला दर्ज नहीं हुआ है और न ही कोई कार्रवाई की गई है। इसे लेकर बड़कागांव पत्रकारों ने बीडीओ एवं अंचलाधिकारी के नाम राज्यपाल को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों ने मांग किया है कि पत्रकारों के साथ मारपीट करने वाले दोषियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी होते हैं, जिन्हें चौथा स्तंभ कहा जाता है, ऐसे स्तंभ के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट हो जाना लोकतंत्र के अपमान के बराबर है । मौके पर नरेश कुमार, संजय सागर, रितेश ठाकुर, आनंद राज,पिंटू कुशवाहा, विकास रंजन, अमित मालाकार, अमित गुप्ता, रंजीत साव, मोहम्मद जुबेर ,वीरेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार, शिवनारायण साहू, दीपक सिन्हा, तारकेश्वर कुमार ,अजय कुमार ,अनुज यादव, दिनेश कुमार,पंकज ठाकुर, पृथ्वीराज गुप्ता,धर्मेंद्र कुमार, आदि शामिल थे।

एक नजर

बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली में बुद्ध पूर्णिमा बड़े धूमधाम से मनाई गई

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शुक्रवार के दिन बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली में बुद्ध पूर्णिमा बड़े धूमधाम से मनाई गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वृंदावन से आए अमर चंद्र शास्त्री,स्वप्न चक्रवर्ती एवं सुभाष श्रीवास्तव मौजूद रहे। सभी सम्मानित अतिथियों ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा में पुष्प अर्पित किया और उनके सिद्धांतों का पालन करने की प्रतिज्ञा भी ली।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बुद्ध के द्वारा दिए गए मंत्र विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए प्रासंगिक बताया साथ ही पूरा विद्यालय बुद्धं शरणं गच्छामि के वातावरण से पूरे विद्यालय का वातावरण गूंज उठा।वहीं विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने भगवान बुद्ध के उपदेशों को आज के समय में काफी महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथियों ने भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और शिक्षा दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किया और उनके विचारों को अपनाने पर जोर दिया।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सुषमा सिंह,बिणा पानी देवी,नकुल बड़ाइक,राहुल भद्र,प्रिया दुबे,अंजलि साहू लंकेश्वर,प्रतिमा सिंह,महादेव, विपुल राय,वर्षा रानी,स्मिता कुमारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व जैक पार्षद के निधन पर शोक व्यक्त

रांची : पूर्व जैक पार्षद (झारखंड स्वायत्तशासी परिषद) व नारी शक्ति सेना (गुलाबी गैंग) की संस्थापक अध्यक्ष रानी कुमारी ने गुमला निवासी पूर्व पार्षद(जैक) देवचरण गोप के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपनी शोक संवेदना में कहा कि झारखंड अलग राज्य निर्माण में स्व.गोप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वह जीवन पर्यन्त राजनीतिक व सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे। सर्वधर्म-समभाव के सिद्धांतों पर आधारित उनकी विचारधारा अनुकरणीय है। वह सभी समुदायों के बीच लोकप्रिय थे। समाज के प्रति स्व.गोप का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति व परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में आरोह कार्यक्रम का आयोजन

रांची : रांची के कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय में आयोजित आरोह कार्यक्रम के तहत कक्षा चतुर्थ से ग्यारहवीं तक के मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले शैक्षणिक सत्र में किसी विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए या कुल 85 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक हासिल किए। इसके साथ ही ऐसे छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया, जिनकी पूरे सत्र में शत-प्रतिशत उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि इस तरह के सम्मान से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और वे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन और नियमित उपस्थिति वाले छात्रों को पुरस्कृत करना अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया 'सांसद सांस्कृतिक महोत्सव' का आगाज, बोले सीएम

स्वदेशी ही असली पहचान और ताकत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के ऐतिहासिक ऑड्रे हाउस परिसर में शनिवार से तीन दिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव-सह-स्वदेशी मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वदेशी उत्पादों और झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने इस सफल आयोजन के लिए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को बधाई दी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, दीपक प्रकाश, विधायक नवीन जायसवाल, रांची की महापौर रोशनी खलखो समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झारखंड की कला और संस्कृति देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान रखती है। हमारे पूर्वजों का स्वदेशी जीवनदर्शन आज के दौर में और भी प्रासंगिक है।
— हेमन्त सोरेन, मुख्यमंत्री

स्वदेशी उत्पादों से मजबूत होगा देशः मुख्यमंत्री

जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल वस्तुएं नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वदेशी अपनाकर देश को स्वावलंबन का मार्ग दिखाया था। आज भी हमारी जिम्मेदारी है कि हम घर में बनी वस्तुओं को बढ़ावा दें। यह मेला स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों और छोटे उद्यमियों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार झारखंड की कला और विरासत को संरक्षित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

झारखंड की प्रतिभा का लोहा मान रही दुनिया

मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं और कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि झारखंड में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यहाँ के बच्चे सीमित संसाधनों में भी शिक्षा, खेल और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड केवल खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जमीन के ऊपर की खूबसूरती और अद्भुत कला के लिए भी जाना जाता है।

सांसद के पुत्र के आशीर्वाद समारोह में पहुंचे राज्यपाल और मुख्यमंत्री

नवदंपति को दिया आशीर्वाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत के सुपुत्र अभिनव के विवाह उपरांत शनिवार को कांके रिजॉर्ट में आयोजित आशीर्वाद समारोह (रिसेप्शन पार्टी) में प्रदेश की कई दिग्गज हस्तियाँ शामिल हुईं। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने समारोह में शिरकत कर नवदंपति को सुखी दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन ने सांसद सुखदेव भगत एवं उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने परिवार को इस सुखद अवसर पर हार्दिक बधाई दी और वर-वधू के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी नवदंपति को अपना आशीर्वाद दिया।

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं में एआई की एंट्री, गूगल के साथ एमओयू की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पहल के तहत राज्य के स्वास्थ्य विभाग में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए गुगल एलएलसी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एआई तकनीक के लागू होने से सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों में जांच, इलाज और

डेटा प्रबंधन की प्रक्रिया तेज और अधिक सटीक होगी। इससे मरीजों की बीमारी की समय पर पहचान, जांच रिपोर्ट तैयार करने और उपचार व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीकी संसाधनों को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दे रही है। एआई के उपयोग से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस नई तकनीक से डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को कार्य में बेहतर सहयोग मिलेगा, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही अस्पतालों में संसाधनों की निगरानी, दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों के रिकॉर्ड के प्रबंधन में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

सरकार को उम्मीद है कि यह पहल राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को अधिक मजबूत और भविष्य के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्कूली बच्चों के बीच फ्रूट जूस व बिस्किट का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के कांके रोड निवासी समाजसेविका व जेसीआई रांची उड़ान की पास्ट प्रेसिडेंट ट्विंकल छावनिका के सौजन्य से मजदूर दिवस (एक मई) के अवसर पर हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित एचआई-67 (1-100 आवासीय परिसर) में आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच फ्रूट जूस व बिस्कुट आदि का वितरण किया गया। वहीं, किशोरवय बालिकाओं के बीच स्वच्छता का संदेश देते हुए सैनिटरी नैपकिन बांटे गए।

मौके पर श्रीमती छावनिका ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संदेश संप्रेषित किया। इस अवसर पर निशुल्क कोचिंग केंद्र के व्यवस्थापक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी ललन कुमार मिश्र सहित अन्य मौजूद थे।

बारिश और ओलावृष्टि से गिरा तापमान, 8 तक येलो अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में शनिवार को बारिश और ओलावृष्टि हुई, इससे तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 8 मई तक गर्जन के साथ वज्रपात होने की संभावना व्यक्त की है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 35 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के नामकुम में 16.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के मंझारी में 41.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आसमान में काले और घने बादल छा गए। इसके बाद मध्यम दर्जे की बारिश और ओलावृष्टि हुई इससे वातावरण में ठंड महसूस की गई।

श्री श्याम मंदिर में 198 वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 198 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। आत्माराम शाह प्रकाश शाह उमा शाह ने परिवार के साथ संयुक्त रूप से बाबा श्री श्याम को केसरिया लस्सी का भोग लगाया। श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच केसरिया लस्सी प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।
ज्ञातव्य है कि अमेरिका इजरायल ईरान के युद्ध के कारण पेट्रोल डीजल एवं एलपीजी गैस के वैश्विक संकट को देखते हुए हर शनिवार के भोजन भंडारे को स्थगित कर फल शरबत इत्यादि के भंडारे की व्यवस्था मंडल के द्वारा की जा रही हैं।

श्री श्याम भंडारे में मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री

गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा प्रकाश शाह उमा शाह आदित्या दिव्या अम्बरीष पलक भव्या अमाया स्नेही शाह रतन शर्मा आशीष डालमिया अनुज मोदी कमलेश सावा वेद भूषण जैन राहुल मारू संकेत चौधरी रिषभ चौरसिया मनोज खेतावत उपेन्द्र पांडे सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने सहयोग दिया।

रांची जिला अस्पताल में अत्याधुनिक न्यूरो फिजियोलॉजी लैब का उद्घाटन, अब स्थानीय स्तर पर हो सकेगी जटिल जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। यहां अत्याधुनिक न्यूरो फिजियोलॉजी लैब का शुभारंभ किया गया, जिससे अब न्यूरोलॉजिकल जांच के लिए मरीजों को बड़े शहरों या निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

लैब का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने किया। इस अवसर पर उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा राज्य के

जिला अस्पतालों में अपनी तरह की पहली पहल है।

लैब के संचालन और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा और डॉ. अहमद हुसैन संभालेंगे, जिससे विशेषज्ञता के साथ जांच संभव हो सकेगी।

इस अत्याधुनिक लैब में एनसीएस (नर्व कंडक्शन स्टडी), ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम), ईएमजी (इलेक्ट्रोमायोग्राफी), वीईपी (विजुअल एवोक्ड पोटेंशियल) और आरएनएसटी (रीपिटेटिव नर्व स्टिमुलेशन टेस्ट) जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अब तक ये सुविधाएं झारखंड के किसी भी जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं थीं, जिससे मरीजों को काफी परेशानी होती थी।

डॉक्टरों का कहना है कि यह लैब मिर्गी, नसों से जुड़ी बीमारियों, मांसपेशियों की समस्याओं और अन्य न्यूरोलॉजिकल विकारों के सटीक निदान में सहायक होगी। साथ ही, श्रवण समस्या से जूझ रहे बच्चों की जांच और उपचार में भी यह सुविधा अहम भूमिका निभाएगी।

ट्रॉमा के मरीजों के लिए भी यह लैब काफी उपयोगी साबित होगी, क्योंकि इससे अंदरूनी चोटों और नसों की क्षति का समय पर पता लगाया जा सकेगा। इससे इलाज की प्रक्रिया तेज और प्रभावी होगी, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

आरटीसी विद्यालय मुरी में सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

सिल्ली : आर टी सी पब्लिक स्कूल मुरी में 2026 मैट्रिक के सफल छात्र छात्राओं को सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी,एवं सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक,पूर्व जिला परिषद सदस्य सुशील महतो,पूर्व मुखिया धनेश्वर बेदिया,विद्यालय के सचिव सुरेश प्रसाद महतो,निदेशक शोभा राम महतो,तुलसी महतो समाज सेवी कृष्णा महतो आदि ने अतिथियों ने छात्र छात्राओं को सम्मानित किया।समारोह में सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों के चेहरे पर खुशी दिख रही थी। पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि पूर्व में पंचायत में बालिकाओं की शिक्षा की बहुत खराब स्थिति थी। इसलिए हमारा प्रयास समाज में बालिकाओं के शिक्षा में बेहतर परिणाम दिलाना था। ताकि दूसरे अभिभावक भी अपनी लड़कियों की शिक्षा के लिए जागरूक हो सके एवं उन्हें अवसर प्रदान करें। सभी टॉपर्स नियमित रूप से विद्यालय आते थे। तभी उन्होंने सभी विषयों पर अच्छा अंक प्राप्त कर बेहतर प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया है।प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक ने कहा कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से न केवल छात्रों का हौसला बढ़ता है, बल्कि अन्य छात्र भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं।कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय के स्कूली बच्चों द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत की।वहीं कक्षा 2 के छात्र हिमांशु यादव ने 40 तक पहाडा तथा कक्षा 8 के भानु प्रताप यादव से अतिथियों द्वारा किए गए सवाल में राज्य के किसी भी जिले के पंचायत के नाम बता कर सभी को आश्चकित कर दिया।विद्यालय परिसर में एक हॉल का उद्घाटन किया गया।जिसमें 2 सौ से अधिक लोग बैठकर विद्यालय की किसी संबंधित कार्यक्रम हो सकेंगे।संचालन धमेंद्र पांडे एवं ध्यादवाद ज्ञापन तुलसी दास महतो ने किया।ज्ञात हो कि विद्यालय के शुभम गुप्ता ने 98 प्रतिशत प्रतिमा कुमारी महतो ने 97.6 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही। सचिन गोराई ने 96.8 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान पाया है। इसके अलावे तौशिफ रजा ने 96.6 के साथ चौथे, दिनेश रंजन महतो ने 96, के साथ पांचवा,रोहित कुमार साहू, चंदन महतो दोनों ने 95.2, के साथ छठे प्राची कुमारी एवं धीरज पातर मुंडा ने 95 प्रतिशत के साथ सातवां, देव कुमार महतो 94.8 आठवां, रोशन सिंह मुंडा एवं भूपेंद्र यादव 94.6 के साथ नवम स्थान एवं जुली कुमारी एवं समल महतो दोनों ने 94.4 प्रतिशत लाकर दसवीं स्थान पर रहे है। विद्यालय से कुल 232 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसमें 218 प्रथम श्रेणी एवं 14 द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य सुषमा देवी,तुलसी दास महतो, टेकलाल महतो,नवल कुमार महतो,अजीत कुमार महतो,कमलेश महतो,धीरेन्द्र महतो, जितेंद्र प्रमाणिक, वीरेंद्र कुमार नीता देवी,संगीता गोपे,मधुसूदन महतो ,संतोष विश्वकर्मा,अमित महतो,चंपा देवी,तरुण कुमार महतो,शबनम खातून, राजकुमार महतो,हितेंद्र महतो,मुकेश महतो, गौतम कुमार महतो, समेत स्कूली छात्र छात्राएं एवं अभिभावक गण उपस्थित थे।

एचईसी कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान की मांग, भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन

रांची : हेवी इंजीनियर्स कॉपोरेशन (एचईसी) लिमिटेड में कार्यरत मजदूर कर्मियों को हर माह समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई है। लंबे समय से वेतन भुगतान में हो रही अनियमितता के कारण कर्मचारियों को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। हटिया कामगार यूनियन (एटक) के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अब वेतन में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचईसी में प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान होना चाहिए, लेकिन यह व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले माह समय पर वेतन नहीं मिलने से कारखाने के अंदर असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। ऐसे में यदि इस माह भी 7 मई तक वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो स्थिति फिर से तनावपूर्ण हो सकती है। लालदेव सिंह ने प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि काम की कमी और टाउनशिप से अपेक्षित राजस्व वसूली नहीं होने के कारण वेतन संकट लगातार गहरा रहा है, जिसका सीधा असर कर्मचारियों पर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एचईसी प्रबंधन को व्यवस्था सुधारने के लिए पर्याप्त समय दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। बकाया वेतन, पीएफ, सीपीएफ, बिजली-पानी बिल, सप्लायर भुगतान और सेवानिवृत्त कर्मियों की सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यूनियन ने प्रबंधन से जल्द स्थिति सुधारने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समय पर वेतन भुगतान नहीं हुआ, तो कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ सकता है और आंदोलन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

रांची विश्वविद्यालय में शेक्सपियर के मैकबेथ का मंचन, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

रांची : रांची विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा शनिवार को मोरहाबादी कैंपस स्थित शहीद स्मृति सभागार में विश्वप्रसिद्ध नाटककार विलियम शेक्सपियर की कालजयी रचना मैकबेथ का भावपूर्ण और प्रभावशाली मंचन किया गया। यह प्रस्तुति शेक्सपियर को श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित की गई। यह नाटक रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस मंचन के माध्यम से पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में मानविकी संकाय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे आयोजन का वातावरण और अधिक गरिमामय बन गया। मंचन के दौरान महत्त्वाकांक्षा, सत्ता, अपराधबोध और नियति जैसे गहन और कालजयी विषयों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने पात्रों की मनोवैज्ञानिक जटिलताओं और त्रासदीपूर्ण भावनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया, जिसे दर्शकों ने भरपूर सराहा। कार्यक्रम में उपस्थित डीन, विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ शिक्षकों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुप्रिया ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे साहित्यिक और सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता और साहित्यिक अभिरुचि को बढ़ावा देते हैं। दर्शकों ने भी छात्रों और शोधार्थियों की प्रस्तुति में दिखाई गई समर्पण भावना, समन्वय और सृजनशीलता की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

नीट परीक्षा को लेकर रामगढ़ पुलिस पूरी तरह सतर्क, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : नीट परीक्षा को कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रामगढ़ पुलिस ने कमर कस ली है। आगामी 03 मई 2026 को आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक ने जिला मुख्यालय स्थित सभागार में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों की विशेष ब्रीफिंग की। रामगढ़ जिले में बनाए गए तीनों परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी न हो। ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की नकल, अनुचित साधनों का प्रयोग या संदिग्ध गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी निभाने का निर्देश दिया। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास शांति व्यवस्था बनाए रखें, ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखें और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। परीक्षा के दौरान बाहरी तत्वों, दलालों या किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। पुलिस, प्रशासन और परीक्षा प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय बनाकर परीक्षा को सफल बनाने पर जोर दिया गया। इस तैयारी के साथ रामगढ़ प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से कराई जाएगी, जिससे अभ्यर्थियों का विश्वास बना रहे।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा एवं के टी पी एस बांझेडीह के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्टीय मजदूर दिवस के अवसर पर के टी पी एस बांझेडीह परिसर में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि श्रमिकों के सक्रिय सहयोग के बिना देश का विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने श्रमेव जयते की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में श्रम करने वाला ही देश का सच्चा सिपाही है जो पूरे देश के विकास की दशा एवं दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि आज का दिवस मजदूरों के लिए स्वर्णिम दिवस है, जिसे हमसबों को एक उत्सव के रुप में मनाना चाहिए। उन्होंने जहाँ एक ओर श्रमिकों को पूरे लगन और ईमानदारी से मेहनत करने की सलाह दी वहीं प्रबंधन के लोगों को मजदूरों के हितो का पूरा ध्यान रखने की अपील भी की। इसके अलावा इन्होंने कई महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी। इसके पूर्व प्रबंधन की ओर से मुख्य अतिथि गौतम कुमार को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ एल.ए.डी.सी. अधिवक्ता नवल किशोर ने श्रमिको से संबंधित कई महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ- साथ कर्तव्यों का भी पालन करना अतिआवश्यक है। उन्होंने उपस्थित लोगों को मजदूर दिवस की बधाई दी। अपने संबोधन में के टी पी एस के चीफ जेनरल मैनेजर (ओ एंड एम) अमन ज्योति ने श्रमिक मुआवजा अधिनियम, समान वेतन अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम सहित अन्य कानूनों की जानकारी देते हुए मजदूरों को अपने अधिकारो के प्रति सजग रहने की अपील की।

बीएफसीएल में 153 कर्मचारियों का मना सामूहिक जन्मदिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में पीपुल फर्स्ट कल्चर के तहत अप्रैल माह में जन्मदिन वाले 153 कर्मचारियों के सम्मान में भव्य सामूहिक समारोह आयोजित किया गया। वन सेलिब्रेशन, मेनी स्माइल्स थीम पर आधारित यह आयोजन 30 अप्रैल 2026 को पूरे उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जीएफए, एचएसपीए और हेड ऑफिस रांची के कर्मचारी शामिल हुए। विभिन्न विभागों के कर्मियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को साझा किया, जिससे पूरे परिसर में खुशी का माहौल बना रहा। यह समारोह एचएएसपी कैंटीन, जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में एक साथ आयोजित किया गया, जिससे सभी इकाइयों के कर्मचारी इस पहल का हिस्सा बन सके। कार्यक्रम में विभिन्न विभागाध्यक्षों की उपस्थिति ने आयोजन को और खास बना दिया। उनकी मौजूदगी से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा और संगठनात्मक जुड़ाव मजबूत हुआ। समारोह के दौरान केक काटा गया, जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से शुभकामनाएं दी गईं और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा की गईं। यह दृश्य किसी परिवारिक उत्सव जैसा प्रतीत हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण ही कंपनी की प्रगति की असली ताकत है। ऐसे आयोजन टीम भावना को सुदृढ़ करते हैं और कार्यस्थल को सकारात्मक बनाते हैं। बीएफसीएल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि हर कर्मचारी उनके लिए परिवार का हिस्सा है।

कोंडिनिया पब्लिक स्कूल में बुद्ध पूर्णिमा पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

झुमरी तिलैया : कोंडिनिया पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और शांति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने गौतम बुद्ध के जीवन, उनके उपदेशों और पंचशील सिद्धांतों पर अपने विचार प्रस्तुत किए और कहा कि प्रेम और करुणा से ही विश्व में शांति संभव है। विद्यालय के प्राचार्य ने शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा, भगवान बुद्ध ने हमें मध्यम मार्ग अपनाने और क्रोध-लोभ से दूर रहने की शिक्षा दी है। आज के समय में उनके विचार और भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में ध्यान एवं प्रार्थना सभा का भी आयोजन हुआ। अंत में सभी ने विश्व शांति की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

हजारीबाग घटना के विरोध में रामगढ़ में पत्रकारों ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : हजारीबाग में पत्रकारों पर हुए हमले के विरोध में रामगढ़ में जोरदार आक्रोश देखने को मिला। प्रेस क्लब रामगढ़ के बैनर तले सुभाष चौक पर पत्रकारों ने एकजुट होकर मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतला दहन कर विरोध जताया। पत्रकारों पर हमला बंद करो और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सम्मान करो जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। प्रेस क्लब अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार बीरू ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पत्रकार मयार्दा और अनुशासन में रहते हैं, लेकिन उनकी सहनशीलता की परीक्षा लेना उचित नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की घटनाएं जारी रहीं, तो आंदोलन और तेज होगा। उपाध्यक्ष प्रदीप राज बब्लू ने हमले में शामिल लोगों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। पत्रकार धर्मेंद्र पटेल ने मंत्री के बयान को मीडिया जगत का अपमान बताते हुए इसे अस्वीकार्य कहा और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की। वरिष्ठ पत्रकार अमित सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द माफी नहीं मांगी गई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में दुर्वेज आलम, दिलीप कुमार सिंह, रितेश कश्यप, सुरेंद्र सिंह भाटिया, सुरेंद्र पासवान, तरुण बागी, प्रदीप बर्मन, ज्योति कुमार सिन्हा, जितेंद्र कुमार सिंह, दिलीप सिंह, मोहम्मद वालीउल्लाह, श्रीकांत महतो, अनिल विश्वकर्मा, मुकेश सिंह, बिजेंद्र कुमार, सुदामा सिंह, शिवकुमार सिंह, निरंजन महतो, प्रमोद यादव सहित बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए। पत्रकारों ने स्पष्ट कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह विरोध बड़ा आंदोलन बन जाएगा और इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

दमन चलाकर मजदूरों के संघर्ष को कुचला नहीं जा सकता है : सीटू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया ; सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) के बैनर तले 1 मई शुक्रवार को वीर कुंवर सिंह पार्क झुमरीतिलैया में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। कर्मचारी नेता दिनेश रविदास के द्वारा मजदूरों के संघर्ष का प्रतीक लाल झंडा फहराया गया। जहां मजदूर दिवस जिंदाबाद, शिकागो के शहीदों को लाल सलाम, दुनिया के मजदूरों एक हो, मजदूर विरोधी लेबर कोड वापस लो आदि गगनभेदी नारा लगाते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि अमेरिका के शिकागो शहर में 3 मई 1886 को लगभग 40 हजार मजदूर 8 घंटे की काम के लिए सड़कों पर उतर आए और पुलिस ने भुखे-प्यासे मजदूरों पर गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। जिसमें 8 मजदूरों की शहादत हो गई। तब से ही दुनिया भर में मई दिवस मनाया जाता है। भारत में आज मजदूर आंदोलन में एक नया उभार दिखाई दे रहा है। नोएडा, गुरुग्राम और मानेसर सहित देश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर अपनी नारकीय परिस्थितियों के खिलाफ और बढ़ती महंगाई, घटते वेतन व असुरक्षित कार्य परिस्थितियों ने उन्हें सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया है। चार लेबर कोड जैसे मजदूर विरोधी कानूनों के बीच 8झ10 हजार रुपये में 12झ16 घंटे काम करने वाले मजदूर आज भारी संकट में हैं। ऐसे हालात में जब मजदूर अपने हक के लिए खड़े होते हैं, तब मजदूरों की जायज मांगों के समर्थन में खड़े छात्रों, नौजवानों, सामाजिक कार्यकताओं और बुद्धिजीवियों को पर दमन किया जा रहा है। पत्रकार सत्यम वर्मा, आतिश आनंद सहित दर्जनों लोगों पर फजी मुकदमे किए गए है। साथ ही यूपी पुलिस की तानाशाही का आलम यह है कि 1100 मजदूरों को बिना कोर्ट में पेश किए जेलों में डाल दिया है। दमन और गिरफ्तारी के बावजूद, मजदूरों के अटूट साहस ने यह साबित कर दिया है कि उनके संघर्ष के जज्बे को दमन कर कुचला नहीं जा सकता है। किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष असीम सरकार ने कहा कि मेहनतकश अपनी नौकरी, वेतन के लिए कड़ी मेहनत से प्राप्त अधिकारों पर शासक वर्ग के हमले के खिलाफ बहादुरी से लड़ रहा है। सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने लम्बे संघर्षों से हासिल अधिकारों को खत्म करने की साजिश का मुकाबला करने का आह्वान किया। सभा को अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला मंत्री शशि कुमार पांडेय, आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश उपाध्यक्ष वर्षा रानी, बीएसएसआर यूनियन के सचिव दिलीप कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के इन्द्रदेव यादव, बाबुलाल पासवान, इप्टा के शैलेन्द्र कुमार, बीएसएसआर यूनियन के पंकज मोदी, सन्नी मोदी, आंगनबाड़ी यूनियन के जिलाध्यक्ष संतोषी देवी, सुषमा देवी, गुंजा कुमारी, सुनैना देवी, गीता कुमारी, निर्माण कामगार यूनियन के बसंती देवी, नागेश्वर दास, शम्भु पासवान, लक्ष्मण दास, रामचन्द्र दास, महेन्द्र तुरी, सुलेखा देवी, मुनिया देवी, गुड़िया देवी, सुमन देवी सहित बड़ी संख्या में मजदूर कर्मचारी मौजूद थे।

एक नजर

मॉर्डन पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 'कृतज्ञता दिवस'

कोडरमा : मॉर्डन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को 'विश्व कृतज्ञता दिवस' उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। 1 मई का यह दिन विद्यालय में एक विशेष 'आभार के त्योहार' के रूप में तब्दील हो गया, जहाँ छात्रों और प्रबंधन ने मिलकर उन सभी सहयोगी हाथों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया, जो पर्दे के पीछे रहकर विद्यालय के संचालन में अमूल्य योगदान देते हैं। कार्यक्रम की शुरूआत सभी स्टाफ सदस्यों के स्वागत और तिलक लगाकर की गई। विद्यालय के कैप्टन शौर्या प्रभाकर ने कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया और सहयोगी कर्मचारियों का हार्दिक अभिवादन किया। छात्रा अनन्या शौर्या ने अपने संबोधन में स्कूल के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों और सपोर्ट स्टाफ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके बिना विद्यालय की व्यवस्था अधूरी है। इस अवसर पर कर्मचारियों के मनोरंजन के लिए विशेष खेलों का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए आयोजित 'म्यूजिकल चेयर' प्रतियोगिता में संगीता दीदी ने अपनी चपलता का परिचय देते हुए जीत हासिल की। वहीं, पुरुषों के लिए आयोजित 'पेपर कप गेम' में श्रवण भैया विजेता रहे।

ग्रिजली कॉलेज में श्रमिक दिवस व बुद्ध पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस सह बुद्ध पूर्णिमा धूम धाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सभी सहायक प्राध्यापक सहित प्रशिक्षुओं द्वारा भगवान बुद्ध की छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं सभी सहायक कर्मियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात सभी सहायक कर्मियों द्वारा केक काटकर उक्त अवसर को यादगार बनाया गया तदोपरांत सभी कर्मियों ने महाविद्यालय से संबंधित अपने अनुभवों को साझा किया। महाविद्यालय द्वारा सभी सहायक कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु विभिन्न उपहार एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव इंदरवाटांड़ के सभी ग्रामीणों को छाता वितरण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहित कुमार तिवारी ने कार्यक्रम में बुद्ध पूर्णिमा एवं अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास में श्रमिक वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि जीवन को सफल बनाने हेतु हमें अपने जीवन का प्रकाश स्वयं बनना होगा।

विश्व मजदूर दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच का सेवा कार्यक्रम, 200 श्रमिकों का सम्मान

झुमरी तिलैया : विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच द्वारा पिपराडीह गुड्स रेलवे स्टेशन पर श्रमिकों के सम्मान एवं सेवा को समर्पित एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मजदूरों, स्थानीय नागरिकों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। भीषण गर्मी को देखते हुए शाखा द्वारा स्टेशन परिसर में मजदूरों एवं राहगीरों के लिए स्थायी वाटर कूलर अमृत धारा प्याऊ की स्थापना की गई, जिसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस पहल की सभी लोगों ने सराहना करते हुए इसे जनसेवा की मिसाल बताया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 श्रमिकों का सम्मान किया गया। साथ ही उन्हें फूड पैकेट, जलजीरा बोतल, अंगवस्त्र (गमछा) एवं चप्पलों का वितरण कर उनके श्रम और योगदान को नमन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

तीन साल से फरार चल रहे सजायाफ्ता अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रामगढ़ : कुजू पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक सजायाफ्ता अभियुक्त को गिरफ्तार कर कानून के हवाले कर दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बोंगावार निवासी प्रकाश प्रजापति (उम्र 28 वर्ष), पिता गणेश प्रजापति के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार कुजू पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात छापेमारी कर फरार चल रहे आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पूरे क्षेत्र में पुलिस की इस कार्रवाई की चर्चा रही। प्रकाश प्रजापति के खिलाफ रामगढ़ महिला थाना कांड संख्या 08/2020 दर्ज था। इस मामले में आरोप था कि उसने एक महिला को शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया था। मामले की सुनवाई के बाद रामगढ़ न्यायालय ने प्रकाश प्रजापति को दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष की सश्रम कारावास और 2000 रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। हालांकि सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी फरार हो गया था। सजा के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। कई बार छापेमारी के बावजूद वह पुलिस की पकड़ से बाहर रहा, लेकिन आखिरकार पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी इसी तरह जारी रहेगी।

रामगढ़ में एबीडीएम की समीक्षा बैठक, 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश

रामगढ़ : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की प्रगति को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य अभियान निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने की। बैठक में राज्य टीम से राजन कुमार (जॉइंट डायरेक्टर), डॉ रंजना सिन्हा (कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफिसर), रश्मि नंदे (बिजनेस एनालिस्ट आईटी), इवा अनंता खाखा (डेटा एनालिस्ट) शामिल रहे। वहीं जिले से सिविल सर्जन डॉ अनील कुमार, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ हरेनचन्द्र महतो, डीएलओ डॉ तुलिका रानी, डीटीओ डॉ स्वराज, डीआरसीएचओ डॉ ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह सहित सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और प्रबंधक मौजूद रहे। बैठक के दौरान विद्यानंद शर्मा पंकज ने अब तक की प्रगति की सराहना करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने और तकनीकी बाधाओं को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। जिले के प्रत्येक नागरिक का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट बनाने पर जोर दिया गया, ताकि मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को कहीं भी आसानी से साझा किया जा सके। सभी डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों का हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री तथा सरकारी-निजी अस्पतालों का हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री में पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। मरीजों के पुराने मेडिकल रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से लिंक करने और स्वास्थ्य केंद्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में 3डी प्रिंटिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग) विषय पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक निर्माण तकनीक, 3डी मॉडलिंग, प्रोटोटाइप निर्माण और स्टार्टअप संभावनाओं से जोड़ना रहा। कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र के साथ विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित हुआ। इसमें बीआईटी मेसरा के प्रो. (डॉ) कौशिक कुमार और एनआईटी राउरकेला के डॉ. चिकेश रंजन ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के मूल सिद्धांतों, उपयोगिता और औद्योगिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद सीएडी टूल्स के माध्यम से प्रतिभागियों को 3डी डिजाइनिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कुलाधिपति बी.एन. साह ने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी नवाचार का दौर है, जहां 3ऊप्रिंटिंग जैसी तकनीकें उद्योगों का भविष्य तय कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार के अवसर समझने में मददगार साबित होते हैं। सचिव प्रियंका कुमारी ने आयोजन की सराहना की। कुलपति प्रो. (डॉ) रश्मि ने इसे छात्रों को वैश्विक तकनीकी बदलावों से जोड़ने वाला बताया। कुलसचिव प्रो. (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को सशक्त बनाती हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल गुमो सतपुलिया में श्रम दिवस का गरिमामयी आयोजन

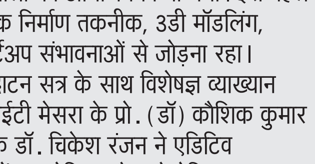

कोडरमा : डीएवी पब्लिक स्कूल गुमो सतपुलिया में श्रम दिवस के अवसर पर विद्यालय के आया, ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड, पियून, स्वीपर एवं समस्त नॉन-टीचिंग स्टाफ के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा सभी कर्मियों का माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। हर्ष ने श्रम दिवस से संबंधित रोचक प्रश्नोत्तरी प्रस्तुत की, जबकि साकेत ,अनुप्रिया, परिणीति एवं शिक्षा रानी ने अपने प्रभावशाली भाषणों के माध्यम से श्रमिकों के महत्व को उजागर किया। शिवानी ने श्रम के सम्मान में एक सुंदर कविता का पाठ किया। वहीं इरम, शानवी, आराध्या , प्रिया ,श्रेयसी एवं अन्य विद्यार्थियों ने आकर्षक स्लोगन लेखन के माध्यम से श्रम की गरिमा और कर्मनिष्ठा का संदेश दिया। विद्यालय की शिक्षक इंचार्ज श्वेता सिंह ने विद्यालय परिवार के सभी नॉन-टीचिंग स्टाफ के योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय के अस्तित्व की कल्पना इनके अथक परिश्रम के बिना संभव नहीं है। विद्यालय के प्रत्येक कोने-कोने की स्वच्छता, छात्रों की सुरक्षा, परिवहन व्यवस्था तथा दैनिक संचालन में इनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय है।

एक नजर

जनगणना कार्य को लेकर प्रशिक्षण का कार्य जारी

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में जनगणना के लिए बड़कागांव प्रखंड सभागार भवन में तीसरे एवं चौथे बैच की प्रशिक्षण कार्य किया जा रहा है । तीसरे एवं चौथे बैच की प्रशिक्षण कार्य का आज रविवार अंतिम दिन है । कुल सात बैच में लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 5, 6 एवं 7 बैच का प्रशिक्षण कार्य बाकी है। 9 मई तक प्रशिक्षण कार्य किया जाएगा। सभी बैच में 48 -48 संख्या में कर्मियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है । डिजिटल ऐप से 16 मई 14 जून तक मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षक में मुख्य रूप से रविशंकर पाठक, देवकांत शर्मा, इजहार अंसारी एवं दीपक राणा प्रशिक्षण दिलाने कार्य को बखूबी निभा रहे हैं। वही प्रगणक में नीलू कुमारी, पुष्पा कुमारी, तीजन राम, सुधीर कुमार दास रोहित कुमार अवधेश कुमार गीता मांझी आदि शामिल थे।

राज्य शिक्षक संघ ने नए उपायुक्त से की शिष्टाचार भेंट, वेतन और शिशु अवकाश की मांग प्रस्तुत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड राज्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जिला अध्यक्ष रंजीत वर्मा के नेतृत्व में हजारीबाग के नए उपायुक्त हेमंत सती से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने शिशु देखभाल अवकाश लागू करने और कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर उपायुक्त को मांग पत्र सौंपा। सर्वप्रथम झारोटेफ हजारीबाग की ओर से नए उपायुक्त हेमंत सती का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इसके बाद संगठन ने कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से आग्रह किया कि महिलाओं को मिलने वाले शिशु देखभाल अवकाश को जिले के विभिन्न विभागों में बिना अड़चन के लागू किया जाए। जिले में नव नियुक्त सहायक आचार्यों को नियुक्ति के 6 महीने बाद भी अब तक वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। उक्त से त्वरित कार्रवाई कर वेतन भुगतान शुरू कराने की मांग की गई। जिले में कार्यरत नियमित कर्मियों को भी मौजूदा वित्तीय वर्ष में अब तक वेतन नहीं मिला है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी हो रही है। उपायुक्त से यथाशीघ्र वेतन भुगतान की पहल करने का अनुरोध किया गया। जिला अध्यक्ष रंजीत वर्मा ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उपायुक्त हेमंत सती के कार्यकाल में जिले के सभी विभागों में बेहतर कार्य होगा और कर्मचारियों के हितों की रक्षा होगी। प्रतिनिधिमंडल में प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार, सचिव किशोरी महतो, मीडिया प्रभारी मधुसूदन सिंह, महिला अध्यक्षा अख्तरी खातून, उत्तम सिंह, मिहिर मिश्र, हरेंद्र कुमार आदि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, मजदूरों को किया गया सम्मानित

सरिया : सरिया के एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। जहां काफी संख्या में ठेकेदार श्रमिक और कर्मचारी उपस्थित हुए। उपस्थित श्रमिकों ने जमकर जश्न मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र,राज्य या राष्ट्र का निर्माण मजदूरों की कड़ी मेहनत और उनके समर्पण के कारण ही संभव हो पाता है। श्रमिक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। मजदूर दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम को उन्होंने एकता,कृतज्ञता और उत्सव का एक अद्भुत क्षण कहा। उन्होंने श्रमिकों को जागृत करते हुए बताया कि कोई आवश्यक रूप से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पंजीकरण करवाएं। जिससे कि सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का सीधा लाभ उन्हें मिल सके। कार्यक्रम के पश्चात सभी मजदूरों को उपहार भेंट किए गए। वहीं अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात लोगों ने चाय नाश्ते का लुफ्त उठाया। मौके पर कन्हैया पोद्दार,प्रभात शर्मा, पियूष घोष,सुधीर गुप्ता,राजू यादव,गांगो पंडित,सुरेश पंडित,नाथू साव,खिरो साव, प्रसादी मंडल आदि उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों ने मनाया मजदूर दिवस और बुद्ध पूर्णिमा

पटमदा : साउथ प्वाइंट स्कूल के प्रांगण में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मजदूर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के परिधानों में सजकर अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। बच्चों ने दूधवाला, फूलवाला, सब्जीवाला, मजदूर आदि का रूप धारण कर समाज के विभिन्न वर्गों के श्रम एवं योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। मजदूरों के सम्मान में विद्यालय के बच्चों ने बहुत ही सुंदर गीत, नृत्य और नाटक को प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार सिंह ने सभी बच्चों की रचनात्मकता एवं प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि श्रम का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है और ऐसे आयोजन बच्चों में संवेदनशीलता एवं सम्मान की भावना विकसित करते हैं। इसी के साथ आज बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान बुद्ध की जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भगवान बुद्ध के उपदेशों-अहिंसा, करुणा एवं सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने किया खुशी फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के रेम्बो करमा निवासी कामू कुमार द्वारा नव निर्मित खुशी फैमिली रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने फीता काटकर किया।उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, ग्रामीण एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने कहा कि आज के समय में युवा व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, जो क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कामू कुमार के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि मेहनत, लगन और ईमानदारी से किया गया कार्य निश्चित रूप से सफलता दिलाता है। खुशी फैमिली रेस्टोरेंट के शुरू होने से स्थानीय लोगों को बेहतर खानपान की सुविधा मिलेगी, साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उद्घाटन के मौके पर उपस्थित अतिथियों ने रेस्टोरेंट संचालक कामू कुमार को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पंचायत की ग्राम सभा में विकास कार्यों पर मंथन, नाली निर्माण बना मुख्य मुद्दा

चौपारण : चौपारण पंचायत भवन में मुखिया पिंकी देवी की अध्यक्षता में एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक का मुख्य मुद्दा पपरो रोड स्थित इंद्रदेव केसरी के घर से मेघन रवीदास के घर तक नाली सह ढक्कन निर्माण कार्य को लेकर था। ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों ने सड़क किनारे जलजमाव, गंदगी और आवागमन में हो रही परेशानियों को प्रमुखता से उठाया। लोगों ने बताया कि बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि नाली निर्माण नहीं होने के कारण पानी सड़क पर जमा रहता है और आसपास गंदगी फैलती है।

खराब सड़क और अधूरे निर्माण से जनता परेशान, 52 लाख के मरम्मत कार्य पर रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही चौक स्थित धनबाद रोड और गया रोड की जर्जर स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने प्रेस के माध्यम से पीडब्ल्यूडी विभाग से तीखा प्रश्न किया है कि लगभग 52 लाख रुपये की लागत से होने वाला मरम्मत कार्य आखिर कब तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। सड़क मरम्मत की शुरूआत तो हुई, लेकिन बीच में ही कार्य स्थगित कर दिया गया, जिससे आम लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब सड़क और गड्ढों की वजह से रोजाना आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। - रोजाना घंटों लगने वाला जाम, अधूरे निर्माण से उड़ती धूल, जिससे सांस की बीमारियों का खतरा वा जगह जगह गंदगी का अंबार हैं लोग अब भी इस इंतजार में हैं कि विभाग कब दोबारा काम शुरू कर सड़क को दुरुस्त करेगा। दीपक गुप्ता ने विधायक, स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा कराया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। कांग्रेस समर्थकों ने कहा इस कार्य में दाल में कुछ काला तो नहीं हैं- लीपाधोपी का भी आरोप हैं ।

पुलिस ने एंटी क्राइम को लेकर चेकिंग अभियान चलाया

बड़कागांव : बड़कागांव पुलिस ने वरीय पदाधिकारी के आदेशानुसार बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के निदेर्शानुसार एंटी क्राइम को लेकर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह चेकिंग बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बादम बड़कागांव मुख्य सड़क ढेंगा कॉलोनी मोड़ के पास की गई।इस अभियान में मुख्य रूप से दोपहिया एवं चार पहिया दर्जनों वाहन की डिक्की , साथ में रख बैग आदि की मुख्य रूप से चेकिंग की गई ,ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। चेकिंग अभियान में मुख्य रूप से बड़कागांव एसआई गजेंद्र कुमार सिंह व पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग।

(खास महाल प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्ति

खास महाल अन्तर्गत, मौजा–कैन्टोनमेन्ट, थाना नं0–157, भवन पट्टा होल्डिंग संख्या–322/4 प्लॉट नं0–317 रकवा–0.1125 एकड़ भूमि के लीजधारी नैनसी सोकी पुत्री स्व0 पी0एस0 सोकी के नाम से दिनांक–31.03.2038 तक नवीकृत है।

श्री संदीप सिन्हा पिता प्रदीप कुमार सिन्हा के द्वारा आवेदन पत्र समर्पित कर बताया गया कि नैनसी सोकी पति त्रिपुरारी प्रसाद के नाम से लीज पट्टा वर्श 2008 से 2038 तक नवीकृत है। श्री संदीप सिन्हा को नैनसी सोकी द्वारा Will के माध्यम से उक्त सम्पत्ति का उत्तराधिकारी घोशित किया गया है। Will हजारीबाग व्यवहार न्यायालय में Probate हुआ है। जिसका Case No. 04/2021 है। उक्त के आलोक में उनके द्वारा उक्त भूमि का नामान्तरण उनके नाम से करने का अनुरोध किया गया है।

अतः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सभी संबंधित को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त के संबंध में किन्ही को किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो अथवा दावा प्रस्तुत करना हो तो इसकी सूचना दिनांक–...................... तक खास महाल कार्यालय, हजारीबाग से सम्पर्क कर सकते है। समय व्यतीत होने के पश्चात् किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जायेगी।

PR 378899 District(26-27)D उपायुक्त,हजारीबाग।

ईचागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन के विरुद्ध औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार जिला खनन विभाग एवं ईचागढ़ थाना के संयुक्त नेतृत्व में ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी के सोड़ो, जारगोडीह, पुरानडीह एवं वीरडीह बालू घाटों में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध औचक निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। निरीक्षण के क्रम में उक्त बालू घाटों पर तत्काल किसी प्रकार की अवैध उत्खनन गतिविधि नहीं पाई गई। तथापि सोड़ो, जारगोडीह एवं वीरडीह घाटों में ट्रैक्टर वाहनों के टायर के निशान पाए जाने पर वरीय पदाधिकारी के निदेर्शानुसार संभावित अवैध परिवहन मार्गों की पहचान करते हुए विभिन्न स्थानों पर अवरोध गर्त का निर्माण कर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया है, ताकि भविष्य में अवैध परिवहन की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि जिलांतर्गत किसी भी स्थान पर खनिजों के अवैध खनन, भंडारण अथवा परिवहन की गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी सतत एवं प्रभावी रूप से जारी रहेगी।

तिरूलडीह में चला अवैध बालू परिवहन के खिलाफ छापामारी अभियान,दो ट्रैक्टर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तिरुलडीह : कुकड़ु प्रखंड क्षेत्र के तिरूलडीह, सपादा,पैलोंग आदि बालू घाटों पर तिरूलडीह थाना प्रभारी कौशल कुमार के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान सपादा गांव के पास दो अवैध बालू लदे ट्रैक्टरों को जप्त किया गया। थाना प्रभारी कौशल कुमार ने बताया कि अवैध बालू उत्खनन व परिवहन के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी के दौरान सपादा घाट के पास अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर पुलिस वाहन देखकर भाग रहा था , जहां पीछा कर ट्रैक्टरों को जप्त किया गया, वहीं चालक मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध बालू उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया जा रहा है एवं अवैध बालू लदे वाहनों को जप्त कर विधि सम्मत कारवाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों ट्रैक्टरों को जप्त कर थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है एवं आगे की कार्रवाई किया जा रहा है।

कार्यालय, अनुमण्डल –सह– जिला कृषि पदाधिकारी, चतरा

किसान भाईयों के लिये आवश्यक सूचना

शुद्धि–पत्र

PR 378598 (Agriculture) 26-27*D के द्वारा Mission for Aatmanirbharta in Pulses एवं NFSNM- Nutri Cereal योजनान्तर्गत निकाले गये विज्ञापन में अनुदान की दर में निम्न प्रकार से संशोधन किया जाता है :–

क्र0 सं0	योजना का कार्य अवयव	NFSNM-Nutri Cereal योजनान्तर्गत Certified Seed Production- Tur/Arhar, Gram, Urad, Moong, Lentil and Ragi विभिन्न फसलों हेतु खरीफ एवं रबी मौसम में बीज का उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित है। जिस पर प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।			
		क्र0 सं0	फसल का नाम	लक्ष्य (हे0 में)	अनुदान
2	Mission for Aatmanirbharta in Pulses and NFSNM-Nutri Cereal	1	अरहर	120	INR 4500/qtl subject to max INR 45000/ha
		2	उरद	20	INR 3000/qtl subject to max INR 30000/ha
		3	मूँग	10	INR 3000/qtl subject to max INR 30000/ha
		4	चना	360	INR 1800/qtl subject to max INR 20000/ha
		5	मसूर	60	INR 3000/qtl subject to max INR 30000/ha
		6	रागी	33	INR 3000/qtl subject to max INR 30000/ha

अनुदान की दर को उक्त तालिका के अनुसार संशोधित समझा जाय।

अनुमण्डल–सह–जिला कृषि पदाधिकारी, चतरा

PR 378854 (Agriculture)26-27*D

हाई स्कूल बरियट्टा का जैक 10वीं बोर्ड में शत-प्रतिशत रिजल्ट, सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से पास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के बरसोत पंचायत के बरियट्टा में संचालित हाई स्कूल बरियट्टा ने जैक 10वीं बोर्ड परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वर्ष 1998 से संचालित इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100% रहा। हर साल की भांति इस बार भी विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं।

टॉपर बने सत्यम

विद्यालय के छात्र सत्यम कुमार पिता गंगाधर यादव ने 90.60% अंक हासिल कर स्कूल में पहला स्थान प्राप्त किया। अंजू कुमारी और प्रदीप कुमार ने 90.40% अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं प्रियांशु कुमार 89.90% अंक लाकर तीसरे स्थान पर रहे। विद्यालय के अन्य सभी विद्यार्थियों ने भी 80% से अधिक अंक प्राप्त किए।

प्रबंधन ने दी बधाई

विद्यालय के निदेशक राजकुमार यादव ने सभी सफल बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा कि उच्च विद्यालय बरियट्टा कम शुल्क में बेहतर शिक्षा देने वाले विद्यालयों में उच्च विद्यालय बरियट्टा का नाम पहले स्थान पर आता है। इस विद्यालय के शिक्षक भी बहुत ही कम मानदेय पर ईमानदारी पूर्वक ड्यूटी का निर्वहन करते हुए पूरा समय बच्चों को उनके परीक्षा के लिए तैयार करने में लगाते है। इसी का परिणाम हुआ कि इस वर्ष सभी बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर ने कहा कि यह सफलता छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की निरंतर मेहनत का परिणाम है। प्रधानाचार्य श्याम लाल यादव ने बताया कि नियमित टेस्ट सीरीज और शिक्षकों की कड़ी मेहनत से बच्चों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। रिजल्ट आने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। कुल 60 बच्चे इस विद्यालय से परीक्षा में शामिल हुए और सभी बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। 45 बच्चे 400 से अधिक अंक के साथ उत्तीर्ण हुए , जो विद्यालय के लिए गौरव की बात है। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। बच्चों की सफलता पर निदेशक राजकुमार यादव, अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ठाकुर, सचिव चंद्रिका यादव, सदस्य सीताराम यादव, भीखी यादव, वासुदेव यादव, मनोहर यादव, संजय पांडे, दौलत महतो, प्रधानाध्यापक श्याम लाल यादव, सहायक शिक्षक रोहित कुमार, प्रदीप राणा, शंकर रवानी, गंगा प्रसाद महतो, जितेंद्र रवानी, नंदकिशोर प्रसाद, अशोक पासवान, काजल कुमारी,दीपा कुमारी आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।

(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

–बंदोबस्ती हेतु आम सूचना (द्वितीय कॉल)–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद क्षेत्रान्तर्गत ईटखोरी प्रखण्ड अन्तर्गत निर्मित **Multipurpose Training Centre को (Builtup Area-15100 sqft)** का आवंटन खुला डाक के माध्यम से एक वर्ष (12 माह) के लिए किया जाना है। बन्दोवस्ती डाकवक्ता के द्वारा बोली गई अधिकतम डाक की राशि पर आवंटित किया जायेगा।

इच्छुक व्यक्ति दिनांक 04/05/2026 से 15/05/2026 तक **''चतरा जिला परिषद कार्यालय''** मो0 10,000/–(दस हजार रू0) की डिमाण्ड ड्राफ्ट जो **''DDC CUM CEO DISTRICT BOARD CHATRA''** के नाम से भुगतेय हो जमा कर फार्म प्राप्त कर सकता है। यह राशि किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं की जायेगी।

भवन का नाम	न्यूनतम डाक की राशि (एक वर्ष के लिए)	जमानत की राशि
1	2	3
Multipurpose Training Centre Itkhori	600000 (रू0 छः लाख)	100000 (रू0 एक लाख)

नियम शर्तें –

1. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि – दिनांक 16/05/2026. के अपराह्न 05.00 बजे तक।
2. डाकबोली की तिथि एवं समय – दिनांक 18/05/2026 के अपराह्न 02.00 बजे।
3. स्थान – जिला परिषद सभाकक्ष, चतरा
4. डाक बोली में उसी डाकवक्ता को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी, जो वांछित कागजात (Technical Bid) की अहर्ता रखता हो। वांछित कागजात में सफल डाकवक्ता की सूची कार्यालय नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।
5. बन्दोबस्ती की न्यूनतम डाक की राशि मो0 600000.00 (छः लाख रू0) प्रति वर्ष निर्धारित की गयी है। उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
6. सुरक्षित/जमानत की राशि मो0 100000 (एक लाख रू0) बैंक ड्राफ्ट द्वारा **''उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा''** के पदनाम से जिला परिषद, चतरा कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्त्ताओं की जमानत की राशि डाक समाप्ति के तुरंत बाद वापस कर दी जायेगी।
7. संबंधित भवन का एकरारनामा की तिथि सें जिस स्थिति में है (As it is where it is) एकरारनामा किया जायगा।
8. डाकवक्ता को जिला के स्थायी निवासी होने पर वरीयता प्रदान की जायेगी।
9. जिला परिषद में किसी भी प्रकार का बकाया रखने वाले व्यक्ति/फर्म बन्दोबस्ती हेतु डाक में भाग नहीं लेगें।
10. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
11. अन्य डाक की नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है, जो इस सूचना का एक अभिन्न अंग होगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद,चतरा।

PR.NO.378874 District(26-27):D

केजरीवाल का कोर्ट बहिष्कार और गांधी का तरीका

दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के न्यायालय से खुद को न्याय मिलने की उम्मीद नहीं होने के तर्क पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनके कोर्ट का बहिष्कार करने की घोषणा कर डाली। उन्हीं के रास्ते पर केजरीवाल मंत्रिपरिषद के सदस्य रहे मनीष सिसौदिया भी चल पड़े। दोनों अपनी सरकार के दौरान वर्ष 2021-22 के दौरान आबकारी नीति में हुई कथित अनियमितता मामले के आरोपित हैं। इस मामले को शराब घोटाला के रूप में भी पहचाना जाता है। इसके पहले दोनों नेताओं ने अपने खिलाफ जारी मुकदमा जस्टिस स्वर्णकांता की जगह किसी अन्य जज को देने की अपील की थी। यह अपील इस आधार पर खारिज कर दी गई कि इससे अन्य मामलों के आरोपितों में भी न्यायालयों के प्रति अविश्वास बढ़ेगा और कोर्ट बदलने का यह उदाहरण बन जायेगा। वैसे कोर्ट बदलने के मामले पहले भी हुए हैं। हालांकि ऐसा स्वयं न्यायाधीशों के यह अनुभव करने पर हुआ कि वे सम्बंधित मामले में किसी पक्ष से कहीं न कहीं जुड़े हैं अथवा पहले जुड़े रहे हैं। इस बार आरोपितों की ओर से ऐसी अपील के बाद विवाद बढ़ा है और कोर्ट के नहीं मानने पर बहिष्कार की बात कही गई है। इस मामले में चर्चा का सबसे बड़ा बिंदु अरविंद केजरीवाल का वह बयान है, जिसमें ऐसा निर्णय करने के पीछे वे प्रेरक के तौर पर महात्मा गांधी को रखते हैं। केजरीवाल ने कहा जस्टिस स्वर्णकान्ता शर्मा जी से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद टूट चुकी है। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए, गांधी जी के सिद्धांतो को मानते हुए और सत्याग्रह की भावना के साथ, मैंने फैसला किया है कि मैं इस केस में उनके सामने पेश नहीं हूंगा और कोई दलील भी नहीं रखूंगा। याद करना होगा कि 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितता और धन के लेनदेन के मामले में केजरीवाल और मनीष सिसौदिया भी आरोपित हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यु कोर्ट ने प्रमाण के अभाव में मुकदमे को खारिज कर दिया था। उसके बाद यह मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा। जजेज के मुकदमे सुनने सम्बंधी रोस्टर के मुताबिक मामला जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट में है। केजरीवाल और मनीष सिसौदिया के आरोप हैं कि जज के बेटे-बेटी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के साथ प्रैक्टिस करते हैं और सरकार की ओर से उनके पास कई मुकदमे आते हैं। ऐसे में जज निष्पक्ष नहीं हो सकतीं। जज ने इस मुकदमे से अलग होने का फैसला कर लिया होता, तो यह अशोभनीय स्थिति नहीं आती। ताजा विवाद से देश की न्यायिक प्रक्रिया, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और रूल ऑफ लॉ के सवाल खड़े होते हैं। यही कारण है कि विधि विशेषज्ञों के मध्य इस पर बहस जारी है। कई बड़े वकील केजरीवाल के तरीके को आत्म प्रचार का एक और हथियार मानते हैं। वहीं राजनीतिक रूप से केजरीवाल के विरोधी रहे प्रशांत भूषण कहते हैं कि केजरीवाल ने सही और उचित फैसला लिया है। अंत में केजरीवाल के कोर्ट बहिष्कार के लिए गांधी के सत्याग्रह और असहयोग को हथियार बनाने की बात। इतिहास गवाह है कि 1922 में गांधी जी पर उनके लेखों के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) के तहत राजद्रोह का आरोप लगा था। गांधी और "यंग इंडिया" अखबार जिसमें लेख लिखने के कारण आरोप लगे थे, उसके प्रकाशक मिस्टर बैंकर ने मजिस्ट्रेट को बताया कि उन्हें कानूनी बचाव नहीं करना है। "गांधी पर महान मुकदमा" नाम से प्रसिद्ध रेक्स इम्पेरेटर बनाम एम.के. गांधी मामले में गांधी जी को छह साल और बैंकर को एक साल की सजा हुई थी। पीठासीन न्यायाधीश रॉबर्ट ब्रूमफील्ड ने माना कि बड़ी संख्या में लोग गांधी को महान देशभक्त नेता मानते हैं। यहां तक कि गांधी के विरोधी भी उन्हें उच्च आदर्शों वाला नेक तथा संत के रूप में देखते थे। लेकिन कानून का काम आरोपों पर विचार करना था। सजा सुनने के बाद गांधी जी हंसते हुए कोर्ट से बाहर निकले, पर सरकारी वकील स्ट्रैंगमैन ने लिखा, "उस दिन कई लोग रोए" और मैं स्वयं "माहौल से पूरी तरह अप्रभावित नहीं था।"

सूडोकु नवताल- 7783

★★★✯☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7782 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

ललित गर्ग

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है- क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निदेशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की "व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा" चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है।

इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है। वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अगले साल मार्च में पता चलेगा यूपी में 'हम कितने हैं'

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में 2011 की जनगणना के बाद कितनी वृद्धि हुई है, इसका सटीक आंकड़ा जानने के लिए 16वीं जनगणना 22 मई 2026 से शुरू हो रही है। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में मकानों की संख्या, उनकी स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं का डेटा एकत्र किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में वास्तविक जनसंख्या की गणना होगी। लाखों कर्मियों को इस कार्य के लिए तैनात किया गया है और पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संचालित होगी। अंतिम आंकड़े 1 मार्च 2027 को घोषित हो जाएंगे। यह जनगणना न केवल आबादी का सही आंकड़ा देगी, बल्कि राज्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीतियों को आकार देने में भी मदद करेगी। ऐसा लग रहा है कि जनगणना के आंकड़े आने के आसपास ही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के भी नतीजे आएंगे, क्योंकि मोदी का कार्यकाल अगले साल मार्च में पूरा हो रहा है। खैर, उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 19.98 करोड़ लोग रहते थे। उसके बाद 15 वर्षों में आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। अनुमानों के अनुसार, वर्तमान आबादी 24 करोड़ से अधिक हो चुकी है, लेकिन सटीक संख्या जानने के लिए ही यह नई जनगणना आवश्यक है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने इसकी तैयारियां लंबे समय से की हैं। महामारी और अन्य चुनौतियों के बावजूद प्रक्रिया को समय पर शुरू करने का निर्णय सराहनीय है। पहले चरण में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के घरों का सर्वे होगा, जिसमें बिजली, पानी, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली जाएगी। इससे राज्य के विकास के स्तर का पता चलेगा और कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार और प्रवास जैसे विवरण दर्ज किए जाएंगे। डिजिटल माध्यम से यह कार्य तेज और त्रुटिरहित होगा। कर्मियों को हैंडहेल्ड डिवाइस दिए जाएंगे, जिनमें जीपीएस की मदद से स्थान का पता चलेगा। इससे डुप्लिकेट एंट्री या गलतियां कम होंगी। लाखों कर्मचारियों की तैनाती से ग्रामीण इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में यह चुनौतीपूर्ण है, जहां पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध क्षेत्रों में अलग-अलग जनघनत्व है। जनगणना के आंकड़े संसद सीटों के पुनर्वितरण, विधानसभा क्षेत्रों के सीमांकन और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान में उपयोगी साबित होंगे।इस जनगणना का महत्व कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सबसे पहले, 2011 के बाद जन्म दर, मृत्यु दर और प्रवास पैटर्न में बदलाव आया है। युवा आबादी बढ़ी है, लेकिन बेरोजगारी और शिक्षा के स्तर पर सवाल उठे हैं। जनगणना से पता चलेगा कि कितने बच्चे स्कूल जा रहे हैं, महिलाओं की भागीदारी कितनी है और बुजुर्गों की संख्या क्या है। दूसरा, कोविड महामारी ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी उजागर की, अब आंकड़ों से अस्पतालों और डॉक्टरों की आवश्यकता का आकलन होगा। तीसरा, जलवायु परिवर्तन और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आबादी का घनत्व जानना जरूरी है। उदाहरण के लिए, गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में आबादी अधिक है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कम। इन आंकड़ों से सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और आवास योजनाएं बेहतर होंगी।

राज्य सरकार ने इसकी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रशिक्षण शिविर लगाए गए, सॉफ्टवेयर विकसित किए गए और जागरूकता अभियान चलाए गए। ग्रामीणों को बताया गया कि सर्वे में कोई व्यक्तिगत खतरा नहीं है और जानकारी गोपनीय रहेगी। डिजिटल प्रक्रिया से पारदर्शिता बढ़ेगी, क्योंकि डेटा रीयल टाइम में अपलोड होगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वय समिति बनाई है, जिसमें सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक ध्यान मिलेगा, क्योंकि यहां की आबादी पूरे देश की लगभग 17 प्रतिशत है। 1 मार्च 2027 तक अंतिम आंकड़े आने पर नीति-निमार्ताओं को नई दिशा मिलेगी।जनगणना के सामाजिक प्रभाव भी गहरे होंगे। पिछली गणना में अनुसूचित जाति-जनजाति की आबादी का सटीक आंकड़ा मिला था, जिससे आरक्षण नीतियां मजबूत हुईं। अब भी अल्पसंख्यक समुदायों, प्रवासी मजदूरों और शहरी झुग्गीवासियों पर फोकस होगा। महिलाओं की साक्षरता दर में सुधार हुआ है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कमी है। आंकड़ों से बाल विवाह, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके अलावा, आर्थिक विश्लेषण के लिए रोजगार के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं। उत्तर प्रदेश में कृषि पर निर्भरता अधिक है, लेकिन उद्योग और सेवा क्षेत्र बढ़ रहे हैं। जनगणना बताएगी कि कितने लोग खेती छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

राजनीतिक दृष्टि से यह जनगणना दिलचस्प होगी। आबादी के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटें पुनर्गठित होंगी। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें प्रभावित हो सकती हैं। क्षेत्रीय असंतुलन दूर करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल में विकास पर जोर बढ़ेगा। विपक्षी दल भी आंकड़ों का उपयोग अपनी मांगों के लिए करेंगे। सरकार को सतर्क रहना होगा कि प्रक्रिया निष्पक्ष रहे। पिछली जनगणनाओं में कुछ क्षेत्रों में विवाद हुए थे, लेकिन डिजिटल सिस्टम से यह समस्या कम होगी। चुनौतियां भी कम नहीं हैं। गर्मी के मौसम में सर्वे करना कठिन होगा, इसलिए कर्मियों को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। कुछ इलाकों में सुरक्षा की समस्या है, वहां पुलिस सहायता ली जाएगी। डिजिटल साक्षरता की कमी से ग्रामीणों को समझाना पड़ेगा। फिर भी, सरकार का दावा है कि 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित होगा। वैज्ञानिक तरीके से सैंपल सर्वे भी किए जाएंगे, ताकि अनुमान सटीक रहें। यह जनगणना उत्तर प्रदेश के भविष्य को आकार देगी। 2011 के बाद आबादी में अनुमानित 4 करोड़ की वृद्धि हुई है, लेकिन सटीक संख्या से योजनाएं प्रभावी होंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत और मनरेगा जैसे कार्यक्रमों के लाभार्थी तय होंगे। शिक्षा के लिए स्कूल, स्वास्थ्य के लिए अस्पताल बनेंगे। युवाओं के लिए कौशल विकास पर फोकस बढ़ेगा। कुल मिलाकर, यह प्रक्रिया राज्य को मजबूत बनाएगी। 22 मई से शुरू हो रही इस जनगणना में सभी नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। सटीक जानकारी देने से देश का विकास तेज होगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में आबादी प्रबंधन चुनौती है, लेकिन अवसर भी। अंतिम आंकड़े 1 मार्च 2027 को आने पर नई शुरूआत होगी। यह न केवल संख्या गिनती है, बल्कि लोगों की जरूरतों को समझने का माध्यम है। राज्य सरकार की यह पहल स्वागतयोग्य है।

तकनीक का जाल या उपभोक्ता की मजबूरी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

दो-तीन वर्षों में नया मोबाइल खरीदना—यह केवल एक व्यक्ति का अनुभव नहीं, बल्कि आज के डिजिटल युग की एक व्यापक सच्चाई है। कभी तकनीक को जीवन को सरल, तेज और सुविधाजनक बनाने का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज वही तकनीक कई बार उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण बनती दिखाई देती है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक गलत है, बल्कि यह है कि उसका उपयोग और व्यापारिक ढांचा किस दिशा में जा रहा है।

मोबाइल कंपनियाँ हर वर्ष नए-नए मॉडल बाजार में उतारती हैं, जिनमें बेहतर कैमरा, तेज प्रोसेसर और आकर्षक डिजाइन का वादा किया जाता है। इसके साथ ही पुराने मोबाइल फोन के लिए सॉफ़्टवेयर अपडेट भी जारी किए जाते हैं। सिद्धांत रूप में ये अपडेट सुरक्षा और प्रदर्शन सुधारने के लिए होते हैं, लेकिन व्यवहार में कई उपयोगकर्ताओं को यह अनुभव होता है कि अपडेट के बाद उनका फोन धीमा हो जाता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है और ऐप्स पहले की तरह सुचारू रूप से नहीं चलते। इस स्थिति ने "planned obsolescence" यानी योजनाबद्ध अप्रचलन की बहस को जन्म दिया है—एक ऐसी रणनीति, जिसमें उत्पाद को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह कुछ समय बाद अप्रभावी हो जाए, ताकि उपभोक्ता नया उत्पाद खरीदने को मजबूर हो।

यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर बार कंपनियाँ जानबूझकर ऐसा करती हैं। तकनीकी रूप से, हर नया सॉफ़्टवेयर अधिक उन्नत होता है और उसे अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। पुराने हार्डवेयर पर उसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन जब यही प्रक्रिया लगातार उपभोक्ता के अनुभव को खराब करती है, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कंपनियाँ अपने उत्पादों की दीर्घकालिक उपयोगिता को लेकर पर्याप्त ईमानदार हैं। उपभोक्ता के पास विकल्प सीमित होते जा रहे हैं—या तो वह धीमे होते फोन के साथ समझौता करे या फिर नया फोन खरीदे।

टेलीकॉम क्षेत्र में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। पहले जहाँ रिचार्ज प्लान 30 दिनों के होते थे, वहीं अब अधिकांश कंपनियाँ 28 दिनों का चक्र अपनाने लगी हैं। पहली नजर में यह अंतर छोटा लगता है, लेकिन साल भर में यह अंतर एक अतिरिक्त रिचार्ज में बदल जाता है। यानी उपभोक्ता को 12 के बजाय 13 बार भुगतान करना पड़ता है। यह एक सूक्ष्म लेकिन प्रभावी व्यावसायिक रणनीति है, जो कंपनियों के मुनाफे को बढ़ाती है, जबकि उपभोक्ता की जेब पर अतिरिक्त भार डालती है। यह व्यवस्था खासकर उन लोगों के लिए अधिक कठिन है, जिनकी आय सीमित है और जिनके लिए हर अतिरिक्त खर्च मायने रखता है।

डिजिटल सेवाओं के बढ़ते विस्तार के साथ ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) का उपयोग भी अत्यधिक बढ़ गया है। बैंकिंग, ऑनलाइन खरीदारी, सोशल मीडिया, यहाँ तक कि कई सरकारी सेवाओं के लिए भी ओटीपी अनिवार्य हो गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह एक आवश्यक कदम है, क्योंकि साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह है कि इससे उपयोगकर्ता अनुभव जटिल हो जाता है। हर छोटे काम के लिए ओटीपी की आवश्यकता प्रक्रिया को धीमा और कभी-कभी निराशाजनक बना देती है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्थिर नेटवर्क या आधुनिक उपकरण नहीं हैं, उनके लिए यह एक अतिरिक्त बाधा बन जाती है।

सबसे गंभीर मुद्दा डेटा की अनिवार्यता का है। आज के समय में इंटरनेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है; यह शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुँच का मुख्य माध्यम बन चुका है। ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाएँ—ये सभी इंटरनेट पर निर्भर हैं। ऐसे में डेटा खरीदना अब एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। लेकिन जब डेटा की कीमतें लगातार बढ़ती हैं या योजनाएँ जटिल होती जाती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। डिजिटल विभाजन और गहरा हो जाता है, जहाँ एक वर्ग तेजी से आगे बढ़ता है, जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूट जाता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या इस स्थिति पर नियंत्रण संभव है? इसका उत्तर सरल नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, नियामक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियाँ उपभोक्ताओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखें और ऐसी नीतियाँ न अपनाएँ जो अप्रत्यक्ष रूप से शोषण का कारण बनें। उदाहरण के लिए, रिचार्ज योजनाओं की अवधि और संरचना को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं, ताकि उपभोक्ता को भ्रमित न किया जाए।

दूसरा, उपभोक्ता संरक्षण कानूनों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। यदि कोई कंपनी जानबूझकर अपने उत्पाद की कार्यक्षमता को कम करती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उपभोक्ताओं को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने उपकरणों की मरम्मत आसानी से करा सकें। "Right to Repair" जैसे विचार इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं, जो उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों पर अधिक नियंत्रण देते हैं और उन्हें बार-बार नया उत्पाद खरीदने की मजबूरी से बचाते हैं।

तीसरा, उपभोक्ता जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कई बार हम स्वयं भी बिना सोचे-समझे नए उत्पादों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। विज्ञापन, सोशल मीडिया और साथियों का प्रभाव हमें यह महसूस कराता है कि नया फोन या नई योजना आवश्यक है, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं होता।

दैनिक पंचांग

3 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

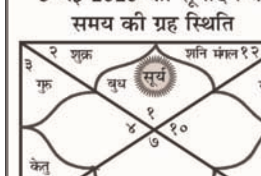

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.10 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	08.08 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.22 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.38 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.50 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.00 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.15 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.36 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.23 बजे से
4.30 से 6.00		मीन	02.56 बजे से
बजे तक		मेष	04.26 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 123 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 03.02 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 07.10 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 22.28 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.55 बजे तदनन्तर गर 03.02 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 37' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872698 **जूलियन दिन** 2461163.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 15 **विशेष** विश्व हास्य दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

बरहेट-बोरियो मुख्य मार्ग से हटेगा अतिक्रमण, प्रशासन ने दिया अल्टीमेटम

साहिबगंज: जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के एनएच बरहेट बोरियो मुख्य मार्ग पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अंचल कार्यालय ने नोटिस जारी कर शनिवार को सूचित किया। अंचलाधिकारी ने तिनमोहनी चौक से लेकर अंजू इंडियन गैस एजेंसी ऑफिस के दोनों ओर अतिक्रमणकारियों द्वारा सीढ़ी, ठेला, गुमटी, छज्जा, करकट आदि निकालकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण करने वाले लोगों को नोटिस दिया गया है। वही वर्षों से लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है जिससे आए दिन मुख्य मार्ग में जाम लगा रहता है। जिला प्रशासन एवं अंचल अमीन द्वारा दो दिन पूर्व को मापी कर अतिक्रमित भूमि पर लाल चिन्ह लगाकर चिन्हित किया गया था। इसके आलोक में शनिवार को दो दर्जन से अधिक बजाब्ता नाम तथा पिता के नाम के साथ सूचना नोटिस के माध्यम से देकर अगले 3 दिनों के अंदर अतिक्रमण हटा लेने की हिदायत दी गई है। नोटिस में यह कहा गया है कि अतिक्रमण नहीं हटाने पर बाध्य होकर प्रशासन द्वारा शक्ति का प्रयोग कर अतिक्रमण हटा दिया जाएगा और खर्च की राशि वसूली जाएगी। इस नोटिस को प्राप्त करते ही दुकानदारों तथा अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

चार मई के धरना से पहले शेरशाहवादी समाज ने निकाली बाइक रैली

साहिबगंज : जिले के बरहरवा शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर आगामी 04 मई को बरहरवा प्रखंड परिसर में आयोजित अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार को शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के सदस्यों द्वारा व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। इस क्रम में संगठन के सदस्यों ने बाइक रैली निकालकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया।बाइक रैली श्रीकुंड, पलाशबोना, अगलोई, हस्तीपाड़ा, जमालपुर, हरिहरा, महाराजपुर, रूपसपुर, कांकजोल समेत दर्जनों गांवों से होकर गुजरी, जहां समाज के लोगों को आगामी 4 मई से शुरू होने वाले धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। रैली के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखा गया और लोगों ने आंदोलन को समर्थन देने का भरोसा जताया। विदित हो कि बरहरवा प्रखंड में शेरशाहबादी समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है, जो सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ी हुई है। पूर्व में इस समुदाय के लोगों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत जाति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाते थे, जिससे उन्हें शिक्षा, रोजगार एवं सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता था। लेकिन पिछले लगभग 14 वर्षों से जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना बंद कर दिया गया है, जिसके कारण समुदाय के युवाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

धुमकुड़िया भवन को मिले वाद्ययंत्र, सांस्कृतिक परंपराओं को मिलेगा बढ़ावा

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मंझलाडीह पंचायत के जोरडीहा गांव में धुमकुड़िया भवन के लिए सांस्कृतिक वाद्ययंत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीडीईओ टुडू दिलीप ने वाद्ययंत्र गांव के पारंपरिक गुड़ैत एवं जोगमांझी को सौंपा। ज्ञात हो कि धुमकुड़िया भवन आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र होता है, जहां पारंपरिक नृत्य, गीत और रीति-रिवाजों का संरक्षण किया जाता है। वाद्ययंत्र उपलब्ध होने से अब गांव के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे गांव में सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी ।

भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण को लेकर उपायुक्त ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा-

15 मई 2026 तक नागरिक स्व-गणना के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने शनिवार को भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के सफल संचालन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य अंतर्गत जनगणना 2027 का प्रथम चरण दिनांक 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपादित किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि इस प्रथम चरण से पूर्व आम नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके तहत 01 मई 2026 से 15 मई 2026 तक नागरिक https://se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठाएं और निर्धारित समयावधि के भीतर स्वेच्छा से अपनी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही सरकार विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण, संसाधनों का वितरण तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की सही एवं पूर्ण भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उपायुक्त ने बताया कि मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के दौरान प्रगणकों द्वारा कुल 34 बिंदुओं पर जानकारी संकलित की जाएगी। इसमें लाईन क्रमांक, भवन नंबर (नगर/स्थानीय प्राधिकरण अथवा जनगणना नंबर), जनगणना मकान नंबर, जनगणना मकान के फर्श में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, जनगणना मकान की दीवार में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, जनगणना मकान की छत में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, जनगणना मकान का उपयोग (आवासीय/ व्यावसायिक/ अन्य), जनगणना मकान की हालत (अच्छी रहने योग्य/ जर्जर), परिवार क्रमांक, परिवार में सामान्य रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, परिवार के मुखिया का लिंग, क्या परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य वर्ग से संबंधित है, मकान स्वामित्व की स्थिति, परिवार के पास रहने के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या, परिवार में रहने वाले विवाहित दंपत्तियों की संख्या,पेयजल का मुख्य स्त्रोत, पेयजल स्त्रोत की उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्त्रोत, शौचालय की सुलभता, शौचालय का प्रकार, गंदे पानी की निकासी, स्नानगृह की उपलब्धता, रसोईघर तथा एलपीजी/ पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, खाना पकाने के लिए प्रयुक्त मुख्य ईंधन, रेडियो/ ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा, लैपटॉप/ कम्प्यूटर, टेलीफोन/ मोबाइल फोन/ स्मार्टफोन, साइकिल/ स्कूटर/ मोटरसाइकिल/मोपेड, कार/ जीप/वैन, परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाला मुख्य अनाज एवं मोबाइल नंबर (केवल जनगणना संबंधी सूचना हेतु) महत्वपूर्ण जानकारियाँ शामिल हैं।

16 मई से 14 जून 2026 तक चलेगा मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का प्रथम चरण

हिरणपुर में राजद की बैठक में महिला आरक्षण पर गरमाई सियासत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर हिरणपुर में एक अहम विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पेट्रोल पंप के समीप स्थित शुभ लक्ष्मी पैलेस में संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महावीर मड़ैया ने की। बैठक में प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रस्ताव पारित होने के बावजूद अब तक इसे लागू नहीं किया गया है, जो चिंता का विषय है। राजद नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण लागू करने से पहले परिसीमन की बात कर रही है, जबकि विपक्ष का मानना है कि पहले आरक्षण लागू किया जाना चाहिए, उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया होनी चाहिए। बैठक में खास तौर पर पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की मांग भी जोर-शोर से उठाई गई। सुनील साहू ने कहा कि जब तक डइउ वर्ग की महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, तब तक वास्तविक महिला सशक्तिकरण संभव नहीं है। पार्टी नेताओं ने बताया कि इस तरह की विचार गोष्ठियां संथाल परगना क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से आयोजित की जा रही हैं।

अवैध संबंध के शक में पति ने की पत्नी की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक निर्मम घटना सामने आई है। बेगमगंज में पार्थो घोष नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी राखी देवी की नुकीले हथियार (रॉड) से गोदकर हत्या कर दिया। शुक्रवार को राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी पार्थो घोष ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसे अपनी पत्नी के अवैध संबंध होने का शक था, इसी वजह से उसने गुरुवार देर रात इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया नुकीला रॉड, जिसका अगला हिस्सा तीर की तरह था, उसे बरामद कर लिया है। घायल महिला को परिजनों ने बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के मालदा भेजा था, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इधर, मृतका की मौसी विफोला देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने बताया कि राखी की शादी दो साल पूर्व हुई थी, लेकिन ससुराल पक्ष उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा था। गुरुवार को पार्थो ने राखी और उसके परिजनों को समझौते के लिए मुखिया के घर बुलाया था, लेकिन वह खुद नहीं पहुंचा। जब राखी गोबरगाड़ी स्थित अपनी मौसी के घर गई, तो वहां पार्थो ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया था, जिसमें थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित कई पुलिस अधिकारी शामिल थे। पुलिस ने मृतका की मौसी के आवेदन पर कांड संख्या 139/26 दर्ज करते हुए मुख्य अभियुक्त को दबोच लिया है। आवेदन में पार्थो के अलावा तीन अन्य लोगों को भी इस षड्यंत्र में शामिल बताया गया है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

आजीविका से जुड़कर दीदी हो रही है आत्मनिर्भर : उपविकास आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में पलाश (जेएसएलपीएस) के अंतर्गत उपविकास आयुक्त द्वारा बोरियो एवं तालझारी प्रखंड में एनआरएलएम द्वारा संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बोरियो प्रखंड के मदनशाही स्थित बीवी 300 लेयर बर्ड यूनिट (लाभुकः जिन्नातूँ खातून) एवं तालझारी प्रखंड के धनबाद भट्टा (मोतीझरना) की लाभुक संजू देवी के यूनिट का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात कल्याणी पंचायत में संचालित जेंडर रिसोर्स सेंटर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा मोतीझरना सीएलएफ का भी अवलोकन किया गया।निरीक्षण के दौरान दीदियों से संवाद कर उनके आजीविका कार्यों एवं क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली गई। इसके बाद उपविकास आयुक्त द्वारा तालझारी प्रखंड में संचालित दिदी कैफे, आजीविका संसाधन केंद्र एवं तालझारी सीएलएफ का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपविकास आयुक्त के साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, सामुदायिक समन्वयक एवं एफटीसी उपस्थित रहे। दीदियों से बातचीत करते हुए विभिन्न आजीविका गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। लखपति दीदी से उनकी सफलता की कहानी जानी गई तथा आजीविका ग्राम एक्सप्रेस योजना से जुड़ी दीदी से भी संवाद किया गया। दीदियों द्वारा जेएसएलपीएस के माध्यम से प्राप्त लाभ एवं आय सृजन के अनुभव साझा किए गए, जिससे उनके आत्मनिर्भर बनने की दिशा में हो रहे प्रयास स्पष्ट रूप से सामने आए। यह फील्ड विजिट समग्र रूप से अत्यंत सकारात्मक एवं प्रेरणादायक रहा।

उपायुक्त ने राजमहल अनुमंडल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल का शनिवार को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में इलाजरत मरीजों का हाल जाना एवं अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। ओपीडी, आईपीडी, अल्ट्रासाउंड कक्ष, प्रसव कक्ष, पुरुष कक्ष, महिला कक्ष, शिशु कक्षा, उपस्थिति पंजी, दवा वितरण केंद्र, रक्त अधिकोष, प्रयोगशाला कक्ष, का निरीक्षण किया। साथ ही चिकित्सक एवं अन्य अस्पताल कर्मियों की ड्यूटी की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल में मरीज को उपलब्ध करवाई जा रही सभी सुविधाओं की जानकारी ली गई। अस्पताल में मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाने के लिए प्लांट लगे रहने के बावजूद बाहर से ऑक्सीजन लाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें मामले से अवगत कराया गया है। पाइपलाइन के माध्यम से सभी वार्डों में ऑक्सीजन उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दे दिया गया है। डीएमएफडी या अन्य मदों से जल्द ही व्यवस्था की जाएगी। अल्ट्रासाउंड और डिजिटल एक्सरे मशीन की आवश्यकता के संबंध में उन्हें अवगत कराया गया शीघ्र ही उपलब्धता हेतु प्रयास किया जाएगा। अस्पताल में दांतों के ईलाज के लिये लगाए गए मशीनों के संबंध में समीक्षा की गई है। कर्मियों को दूर कर जल्द ही सुविधा चालू कर दी जाएगी। मौके पर प्रभारी बीडीओ सह सीओ मो यूसुफ, कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन, अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉक्टर उदय टुडू, अमित कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

साहिबगंज गोलीकांड का खुलासा : रिश्तेदारों ने ही रची थी लूट और हत्या की साजिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंबाडिया पंचायत के पोलमा गांव में युवक को गोली मारने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला सुलझने के बाद डीएसपी हेडक्वार्टर विजय कुमार कुशवाहा ने जिरवाबाड़ी थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना और गिरफ्तारी की पूरी जानकारी दी। डीएसपी ने बताया कि 27 अप्रैल की रात करीब 7:30 बजे अनिल बेसरा (26 वर्ष), पिता स्व. नाबू बेसरा, पोलमा गांव निवासी, किसी काम से लौट रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए तीन-चार अपराधियों ने पीछे से उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में उसकी पीठ में एक और दाहिना हाथ में एक गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद अपराधी उसका सामान और मोबाइल लेकर फरार हो गए। घटना के बाद कुछ देर बाद खुद टोटो की मदद से घायल अनिल अपने सदर अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई गई। इस टीम में पुलिस निरीक्षक सह नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, सब-इंस्पेक्टर पंकज वर्मा और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए छापेमारी शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने इस मामले में शामिल किशुन हांसदा (55 वर्ष) और भीम हांसदा (लगभग 30 वर्ष), दोनों पोलमा गांव के निवासी को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने तीन देसी कट्टा, नौ जिंदा गोली और दो खोखा भी बरामद किए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि यह हमला जमीनी विवाद को लेकर किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी कोई बाहरी नहीं, बल्कि पीड़ित के अपने ही रिश्तेदार निकले। पुलिस अब इस पारिवारिक रंजिश के पूरे पहलू को खंगाल रही है।

संक्षिप्त खबरें

लिट्टीपाड़ा में बूथ कमिटी का गठन, जनगणना व एसआईआर में सहयोग का आह्वान

लिट्टीपाड़ा : जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत लिट्टीपाड़ा पंचायत के ग्राम रूडगो स्थित बूथ संख्या 37 में शनिवार को बूथ कमिटी का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू एवं युवा नेता सह केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी काफी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एसआईआर (संक्षिप्त पुनरीक्षण) एवं जनगणना कार्य में आम लोगों की सक्रिय मदद करें, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से न कटे। साथ ही उन्होंने कहा कि जनसेवा और पारदर्शिता के माध्यम से ही लोगों का विश्वास मजबूत किया जा सकता है और झामुमो के प्रति भरोसा बढ़ाया जा सकता है। बैठक में प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, प्रखंड सचिव जावेद आलम, प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साहा, पंचायत अध्यक्ष सोनाराम किस्कू, प्रखंड पर्यवेक्षक मनोज मुर्मू एवं बिशन हेंब्रम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

मिर्जाचौकी स्टेशन परिसर में मंदिर हटाने पर बवाल, विरोध के बीच रेलवे की कार्रवाई

साहिबगंज: मालदा डिवीजन अंतर्गत मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन परिसर में शुक्रवार को पीपल वृक्ष के नीचे नव निर्मित एक छोटे मंदिरनुमा भवन को रेल प्रशासन द्वारा हटाए जाने का मामला सामने आया है। इस कार्रवाई के दौरान मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार,उक्त स्थल पर कई वर्षों से प्रत्येक शनिवार को पीपल वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना की जाती रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से नए सिरे से एक छोटा मंदिरनुमा भवन बनाया गया था।ग्रामीणों ने रेल प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था,तब प्रशासन मौन क्यों रहा और निर्माण पूरा होने के बाद इसे क्यों तोड़ा गया। लोगों ने इसे आस्था से जुड़ा मामला बताते हुए नाराजगी जताई। इधर, रेल प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत उक्त मंदिरनुमा भवन को हटाया गया। मौके पर रेलवे के एईएन अधिकारी वेदव्यास, आईओडब्ल्यू राजीप लोचन, साहेबगंज आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सरवर, मिर्जाचौकी स्टेशन मास्टर अनिल वर्मा, मिर्जाचौकी थाना के एएसआई वीरेंद्र सोरेन, एएसआई शिवलाल मरांडी पुलिस दल बल के साथ तथा आरपीएफ के कई जवान उपस्थित थे। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

पाकुड़ में विधायक निसात आलम का जनसंपर्क दौरा, विकास व स्वास्थ्य सेवाओं पर दिया जोर

पाकुड़ : जिले के पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक मोहतरमा निसात आलम ने शनिवार (02 मई 2026) को नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या 17, 19 एवं 20 अंतर्गत बल्लोपुर, कालिकापुर और पियादपुर के विभिन्न इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुईं। जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक निसात आलम ने क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि आम लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। दौरे के क्रम में विधायक ने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इसी दौरान कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर वार्ड पार्षद राबिया बेवा एवं उनके पति टोनी शेख ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बकुल, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शहनाज बेगम, ओबीसी जिला अध्यक्ष आमिर हमजा, देबू विश्वास, कृष्णा यादव, असलोम अंसारी, मिरजाहन विश्वास, रामविलास महतो, मिथुन मरांडी, सिराजुद्दीन शेख, डॉ. ऐनुल हक, मिलन शेख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जूनियर टी-20 लीगः संत जेवियर ए बना चैंपियन, 10 विकेट से शानदार जीत

साहिबगंज: जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में सिदो कान्हू स्टेडियम में पहली बार हुए डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट का शुक्रवार को फाइनल खेला गया। फाइनल में संत जेवियर ए बनाम बोरियो सुपर किंग के बीच मुकाबला हुआ। टॉस जीत कर संत जेवियर स्कूल ने पहले गेंदबाजी की। जबकि बोरियो सुपरकिंग पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.3 ओवर में 61 रन बना कर ऑल आउट हो गई। एक मात्र आदित्य ने सर्वाधिक 24 रन की पारी खेली। संत जेवियर के गेंदबाज सूरज राज ने 5, अनुराग ने 2, मो जुनैद व अमूल कुमार ने 1-1 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी संत जेवियर की टीम ने बिना विकेट गंवाए 9.2 ओवर में 65 रन बना कर 10 विकेट से जीत हासिल कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अमूल ने नाबाद 31 व आदित्य ने नाबाद 25 रन की पारी खेली। संत जेवियर के खिलाड़ी सूरज राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ने विजेता टीम संत जेवियर स्कूल ए एवं उपविजेता बोरियो सुपर किंग को पुरस्कृत किया। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले संत जेवियर ए के खिलाड़ी सूरज राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। अतिथि डॉ विजय ने सूरज राज को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया।

एक नजर

हाथी के हमले में किसान की मौत

खूंटी : खूंटी जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं का रहा है। जिले के किसी न किसी गांव में हाथी हर दिन जन माल की क्षति पहुंचा रहे हैं। कर्रा थाना क्षेत्र के मास्को पंचायत अंतर्गत देहकेला गांव में शनिवार को जंगली हाथी के हमले में एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जेवियर उर्फ चुयू होरो के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, जेवियर अपने खेत में लगाए गए गरमा धान की फसल की देखरेख के लिए सुबह करीब 11 बजे खेत गए थे। तभी अचानक जंगल की ओर से एक जंगली हाथी निकलकर खेत की तरफ आ गया। इससे पहले कि किसान कुछ समझ पाते, हाथी ने उन पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हाथी ने जेवियर को अपनी सूंड में लपेटकर कई बार जमीन पर पटक दिया और फिर बुरी तरह कुचल डाला। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश और भय व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार जंगली हाथियों की आवाजाही बढ़ती जा रही है, जिससे जान-माल का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना वन विभाग और कर्रा थाना पुलिस को दे दी है। प्रशासनिक टीम के मौके पर पहुंचने की प्रक्रिया जारी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों के बढ़ते आतंक पर तत्काल नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सहायता उपलब्ध कराई जाए।

तालाब में डूबने से वृद्ध की मौत

लातेहार : लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत रेंगाई पंचायत के काठो गांव निवासी 60 वर्षीय दुर्गा मांझी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वे गांव के अन्य लोगों के साथ नहाने के लिए तालाब गए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, नहाते समय दुर्गा मांझी अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तालाब की गहराई अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों ने काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद प्रशासन को सूचना दी गई। प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन अंधेरा होने के कारण शुक्रवार को शव की तलाश में सफलता नहीं मिल सकी। शनिवार को फिर से प्रशासनिक टीम गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। करीब 26 घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर में दुर्गा मांझी का शव तालाब से बरामद कर लिया गया।

झूलन कार्यक्रम के तिलमी मंडा अनुष्ठान संपन्न

खूंटी : कर्रा प्रखंड के ऐतिहासिक तिलमी मंडा का समापन शनिवार को झूलन कार्यक्रम के साथ श्रद्धा और उत्साह के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित संजय गोस्वामी ने मंदिर परिसर के शुद्धिकरण से की। इस दौरान 51 भगतियों ने नौ दिनों तक निर्जला उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ की आराधना की और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शुक्रवार रात धुआं-सुआ और फुलकुदी कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर अपनी आस्था का परिचय दिया। शनिवार को झूलन के दौरान श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए गए, जिन्हें पाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया। महिलाओं ने आंचल फैलाकर और पुरुषों ने छाता खोलकर फूल ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा खूंटी जिला अध्यक्ष आनंद कुमार और जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने दीप प्रज्वलित कर आर्केस्ट्रा का उद्घाटन किया।

जिज्ञासु बनें, चुनौतियों को स्वीकारें एवं अंधानुकरण से बचें : सुधीर मिश्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 'विद्यार्थियों को विधि को केवल एक पेशे के तौर देखने की बजाए एक कौशल के तौर पर देखना चाहिए, इसमें समर्पण, स्पष्टता जैसे विशिष्ट गुणों के अलावा विशेष पहचान के विकास की भी जरूरत होती है। साथ ही उन्हें आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देने के बजाय अपने कौशल, दक्षता और दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।' ये बातें सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता एवं ट्रस्ट लीगल के संस्थापक सह मैनेजिंग पार्टनर सुधीर मिश्रा ने कही। वे सरला बिरला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा जर्नी ऑफ अ फर्स्ट जेनरेशन लॉयरः लेसन्स एंड ऑपर्च्युनिटीज विषय पर आयोजित एक्सपर्ट टॉक के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को चुनौतियों को स्वीकार करने, जिज्ञासा बनाए रखने और भीड़ का अनुसरण करने की बजाय अपनी अलग राह के निर्माण करने की बात कही। विधि के छात्रों को उन्होंने जिला न्यायालयों में इंटर्नशिप करने की सलाह दी, ताकि वे केस- मुकदमों से संबंधित मूलभूत समझ और सोच का विकास कर सकें। अपने संबोधन में उन्होंने एक प्रथम पीढ़ी के वकील के रूप में अपने संघर्षपूर्ण सफर की चर्चा करते हुए बताया कि बिना किसी कानूनी पृष्ठभूमि के इस क्षेत्र में आनेवाली अनगिनत चुनौतियों का उन्होंने डटकर सामना किया एवं एक पर्यावरण अधिवक्ता के रूप में स्थापित हुए। उन्होंने महज 28 वर्ष की उम्र में ही अपने द्वारा लॉ फर्म की स्थापना का भी जिक्र किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को पेशेवर ईमानदारी बनाए रखने और उत्कृष्टता की ओर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विधि के मूल सिद्धांतों की मजबूत नींव ही एक सफल कानूनी करियर का आधार होती है। विधि विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. सुबीर कुमार ने ट्रस्ट लीगल लॉ फर्म का परिचय प्रस्तुत करते हुए इसकी कार्य पद्धति एवं विद्यार्थियों के लिए इसमें उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी चला, जिसमें विवि के छात्रों ने कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापिका कोमल गुप्ता एवं समापन विधि विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर डीन डॉ. आर. के. सिंह ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने एक्सपर्ट टॉक के आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया है।

कार और बाइक की टक्कर में एक की मौत, एक गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के गाड़ीगांव में फोरलेन पर शनिवार दोपहर कार और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी, जबकि एक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत चिंताजनक बतायी गयी है। वहीं कार और बाइक को पुलिस जब्त कर ले गयी है। मृतक की पहचान पड़वा थाना क्षेत्र के करूअशना गांव निवासी विजय ठाकुर (40) के रूप में की गई है, जबकि घायल व्यक्ति मुनेश्वर ठाकुर (36) बताया जा रहा है। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजय ठाकुर और मुनेश्वर ठाकुर एक ही बाइक पर सवार होकर डालटनगंज से घर लौट रहे थे। इसी दौरान गाड़ीगांव के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार टाटा पंच ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के तुरंत बाद फोरव्हीलर चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों की मदद से घायलों को इलाज के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने जांच के बाद विजय ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। मौके से मिले दस्तावेजों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त वाहन टाटा पंच है, जिसके मालिक का नाम जोगेंद्र, निवासी सुभाषनगर, बेरमो दर्ज है।

अवैध संबंध के शक में पत्नी की हत्या, आरोपित पति गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टेबो थाना क्षेत्र में अवैध संबंध के शक में एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 1 मई 2026 की है। ग्राम चाकोमटोंनांग बुरूटोला निवासी बिरसा कोंद उर्फ जोटो (30 वर्ष) ने अपनी पत्नी अंजला बैसा (करीब 25 वर्ष) पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल अंजला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद टेबो थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित पति को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था, जिसके कारण उसने इस वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में सलमी कन्डुलना (45 वर्ष), निवासी जोमताई, थाना सोनुआ के फर्द बयान के आधार पर टेबो थाना कांड संख्या 06/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103(1) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) डॉ. सैयद मुस्ताफा हाशमी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित बिरसा कोंद उर्फ जोटो को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी बरामद कर जब्त कर लिया है। इस कार्रवाई में टेबो थाना प्रभारी सुशील कुमार मरांडी, पुलिस अवर निरीक्षक दुबराज हेम्बरम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है।

बेटे ने पिता को भूत समझकर किया जानलेवा हमला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक बेटे ने अपने ही पिता को भूत समझकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना कृष्णा रोड (पद्मा रोड इलाके) की है। रात में अचानक एक घर से तेज चीख-पुकार सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घर के अंदर का भयावह दृश्य देख सन्न रह गए। घर के मुखिया करण उर्फ करम सिंह खून से लथपथ फर्श पर पड़े थे और उनकी हालत बेहद गंभीर थी। बताया जा रहा है कि उनके बेटे निशांत सिंह ने ही उन पर धारदार हथियार (चापड़) से हमला किया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपित युवक को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल को तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार, करण सिंह के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरे जख्म हैं और उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल रेफर किया गया है। पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात आरोपित का बयान है। पुलिस पूछताछ में निशांत सिंह लगातार यह कह रहा है कि उसने अपने पिता को भूत समझ लिया था और इसी डर में उसने हमला कर दिया। उसके इस बयान ने पुलिस के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी हैरान कर दिया है। हालांकि, मामले के अन्य पहलू भी सामने आ रहे हैं। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक नशे का आदी है और घटना से पहले उसने अपने पिता से नशा करने के लिए पैसे मांगे थे। पैसे नहीं मिलने पर वह गुस्से में आ गया और हमला कर दिया। सिदगोड़ा थाना प्रभारी फैज अहमद ने बताया कि आरोपित को हिरासत में ले लिया गया है और घटना में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि युवक की मानसिक स्थिति संदिग्ध लग रही है, इसलिए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। जरूरत पड़ने पर उसका मेडिकल और मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी कराया जाएगा। इस घटना के बाद लोग हैरान हैं कि आखिर किन परिस्थितियों में एक बेटा अपने ही पिता को भूत समझकर इतना खतरनाक कदम उठा सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और घटना के पीछे की असली वजह जानने की कोशिश में जुटी है।

पूर्वी सिंहभूम में 100 से अधिक रक्तदाताओं को 'रक्तवीर' सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से गदरा स्थित आनंद मार्ग आश्रम में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 100 से अधिक नियमित रक्तदाताओं को रक्तवीर की उपाधि देकर सम्मानित किया गया। समारोह में आनंद मार्ग के वरिष्ठ संन्यासियों ने रक्तवीरों को आशीर्वाद देते हुए रक्तदान को केवल सामाजिक सेवा ही नहीं, बल्कि एक उच्च आध्यात्मिक साधना बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता के प्रति निस्वार्थ समर्पण का प्रतीक है, जो समाज में करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर वक्ता सुनील आनंद ने कहा कि यदि रक्तदान को परमात्मा के प्रति समर्पण भाव से किया जाए, तो यह दोहरा पुण्य प्रदान करता है। एक ओर यह जरूरतमंद व्यक्ति को जीवनदान देता है, वहीं दूसरी ओर दाता के मन और शरीर पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान का कोई विकल्प नहीं है। यह ऐसा दान है, जो सीधे किसी के जीवन से जुड़ा होता है और इसे निस्वार्थ भाव से करना ही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। समारोह के दौरान सभी रक्तवीरों को सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके योगदान की सराहना की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमड़ापाड़ा का डीसी ने किया निरीक्षण एम्बुलेंस की कमी को जल्द पूरा करने का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने शनिवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अमड़ापाड़ा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। उपायुक्त ने ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग), पंजीकरण काउंटर एवं चिकित्सकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों के समय पर पंजीकरण, चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने दवा वितरण केंद्र का भी अवलोकन किया तथा उपलब्ध दवाओं की स्थिति की जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी प्रकार की कमी न हो। इसके अलावा उपायुक्त ने आपातकालीन वार्ड, प्रसुति गृह, स्टाफ ड्यूटी कक्ष, मदर केयर रूम, आईसीटीसी प्रयोगशाला एवं कोल्ड चेन कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रसूता महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आमजन के लिए स्वास्थ्य सेवा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए यहां सभी मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ एवं सुचारु रूप से उपलब्ध रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल प्रबंधन में संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हों, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मौके पर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ खालिद अहमद, डॉ शिवम कुमार सहित सभी कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

उत्पाद विभाग की छापेमारी में एक गिरफ्तार अवैध शराब भट्टी ध्वस्त

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत उलीडीह गांव में शनिवार को उत्पाद विभाग ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान चंद्रमोहन सवैया को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मामले में नामजद चार अन्य आरोपित मौके से फरार हो गए। फरार आरोपितों में श्याम सिंह मुंडा, बीरू मुंडा, रुई मुंडा और चंद्र मुंडा शामिल हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। यह कार्रवाई डीसी मनीष कुमार के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम ने मंझारी थाना पुलिस के सहयोग से की। छापेमारी के दौरान अवैध शराब बनाने की भट्ठी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही भारी मात्रा में जावा महुआ और तैयार अवैध शराब बरामद की गई। अभियान के दौरान करीब 2000 किलो जावा महुआ नष्ट किया गया, जबकि लगभग 90 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इसके अलावा एक दुकान से करीब साढ़े छह लीटर बियर भी बरामद की गई। शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों को भी मौके से जब्त कर लिया गया। उत्पाद विभाग ने इस मामले में कुल पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा और फरार आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बुद्ध पूर्णिमा पर राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

साहिबगंज: जिला अंतर्गत राजमहल में उत्तरवाहिनी गंगा प्रवाहित होती है। मान्यता के अनुसार उत्तर वाहिनी गंगा में स्नान कर गंगा पूजन का विशेष महत्व है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को हजारों की संख्या में आदिवासी और गैर आदिवासी श्रद्धालुओं ने राजमहल उत्तर वाहिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और मां गंगा की पूजा अर्चना किया। सांस्कृतिक और धार्मिक एकता की अनोखी मिसाल श्रद्धालुओं का सैलाब सांस्कृतिक और धार्मिक एकता का एक सुंदर उदाहरण है। विशेष रूप से साफा होड़ समुदाय की भागीदारी और उनकी परंपराएं इस आयोजन को और भी खास बनाती हैं। आदिवासी और गैर-आवासी समुदायों का एक साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगाना क्षेत्र की सामाजिक समरसता को दर्शाता है। साफा होड़ समुदाय द्वारा अपने धर्मगुरुओं के सानिध्य में गंगा पूजन करना और फिर अखाड़ा लगाकर मरांग बुरु की आराधना करना उनकी गहरी आध्यात्मिक जड़ों को प्रकट करता है। राजमहल में गंगा का उत्तर वाहिनी (उत्तर की ओर बहना) होना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है, यही कारण है कि बुद्ध पूर्णिमा जैसे मौके पर यहां स्नान का महत्व और भी बढ़ जाता है। झारखंड की यह जीवंत संस्कृति और प्रकृति के प्रति समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। राजमहल के सुर्यदेवघाट, गुदाराघाट, संगत घाट, कालीघाट और महाजनटोली घाट में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। गंगा स्नान को लेकर पूजन सामग्री की खूब बिक्री हुई।

टोटो भाड़े के विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र के डेढ़गामा गांव में टोटो भाड़े के बकाया रुपए को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। डेढ़गामा निवासी राजेश मंडल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने गांव के ही प्रताप मंडल को टोटो चलाने के लिए भाड़े पर दिया था। एक माह बीत जाने के बाद जब उन्होंने बकाया राशि की मांग की तो प्रताप मंडल ने उनके साथ मारपीट की। इस मामले में थाना कांड संख्या 140/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं दूसरे पक्ष की सुनीता देवी ने आवेदन देकर आरोप लगाया है कि राजेश मंडल और उनके पुत्र राहुल मंडल उनके घर में घुसकर बेवजह मारपीट करने लगे। इस संबंध में थाना कांड संख्या 141/26 के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

हिरणपुर में टॉपर विद्यार्थियों का किया गया समान्नित

हिरणपुर : जिले के हिरणपु प्रखंड के घाघरजानी स्थित बीपीआरसी सभागार में मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, शिक्षक रमेश गोस्वामी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान प्रखंड के आठ उच्च विद्यालयों के तीन-तीन टॉपर विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी, आगे की पढ़ाई की योजनाएं और जीवन के लक्ष्य साझा किए, जिससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिली। कार्यक्रम में केवल छात्रों ही नहीं, बल्कि उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों को अंगवस्त्र देकर उनके योगदान की सराहना की गई। मौके पर बीपीओ ट्विंकल चौधरी, किशन भगत सहित कई अन्य गणमान्य लोग एवं अभिभावक उपस्थित रहे। समारोह का उद्देश्य छात्रों को प्रोत्साहित करना और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना रहा।

अमड़ापाड़ा प्रकृति विहार पार्क का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

अमड़ापाड़ा: ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने शनिवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड स्थित डाकबंगला परिसर में अवस्थित प्रकृति विहार पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क की देखभाल, रखरखाव, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकासात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पार्क को बेहतर तरीके से विकसित किया जाए ताकि यह आमजन, पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके। उन्होंने पार्क की हरियाली, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पार्क परिसर में मैरेज हॉल निर्माण की संभावनाओं पर भी चर्चा की तथा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैरेज हॉल के निर्माण से स्थानीय लोगों को सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने परिसर में स्थित हवामहल का भी अवलोकन किया तथा उसके रेनोवेशन (जीर्णोद्धार) का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुराने संरचनात्मक धरोहरों का संरक्षण आवश्यक है, जिससे उनकी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान बनी रहे।

संक्षिप्त डायरी

खेत में काम कर रहे किसान की करंट लगाने से मौत

पटना (एजेंसी) हाजीपुर में खेत में काम कर रहे किसान की करंट लगने से मौत. घटना उस समय हुई जब वह अपने खेत में काम कर रहा था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है .बताया जा रहा है की फसल बचाने के लिए नंगे तार का इस्तेमाल किया जाता था. जिसकी चपेट मे किसान या गया था. हाजीपुर के रुस्तमपुर इलाके के लिटियाही गांव में एक दर्दनाक हादसा हुआ. घटना उस समय की है जब खेत में काम कर रहा किसान करंट की चपेट में आ गया. करंट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान मृतक की पहचान लिटियाही गांव निवासी देवेंद्र राय के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि वह रोज की तरह अपने खेत में काम कर रहा था. उस समय ही यह हादसा हुआ. नंगा तार बना मौत का कारण जानकारी के अनुसार, खेत के चारों ओर जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए नंगे बिजली की तार का प्रयोग किया जाता है. जिसमें करंट पास होता रहता है. खेत में काम के दौरान देवेंद्र राय इसी तार के संपर्क में आ गया. जिसके बाद करंट लगने से उसकी मौत हो गई. पुलिस जांच में जुटी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है. जांच में पता चला कि खेत में नंगे तार का इस्तेमाल किया जा रहा था. पुलिस ने पूरी घटना स्थल को सील कर दिया है. वहां किसी के भी आने-जाने पर फिलहाल रुक लगा दी गई है. पुलिस ने मामले की जांच में ग्रामीणों से भी बातचीत की. सल बचाने के लिए अपनाया गया खतरनाक तरीका ग्रामीणों का कहना है कि नीलगाय और अन्य जंगली जानवरों से फसल को बचाने के लिए किसान अक्सर इस तरह के नंगे तार का इस्तेमाल करते हैं. क्योंकि नीलगाय और अन्य पशु फसल को भारी नुकसान पहुंचाते हैं. लेकिन यह तरीका बेहद खतरनाक और गैरकानूनी है. पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं स्थानीय लोगों के अनुसार, इसी तार की चपेट में आकर पहले भी कई जानवरों की मौत हो चुकी है. इसके बावजूद इस तरह के उपाय जारी हैं. जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं. प्रशासन ने लोगों से इस तरह के खतरनाक उपायों से बचने की अपील की है.

भागलपुर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण कुशवाहा की सड़क हादसे में मौत

पटना (एजेंसी) भागलपुर के कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा की सड़क हादसे में मौत हो गई। वे दिल्ली से पटना कार से लौट रहे थे। इसी दौरान यूपी के कन्नौज में ड्राइवर को झपकी आने उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। आज दोपहर करीब 12.30 बजे उनका पार्थिव शरीर पटना में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचेगा। वहां कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। कांग्रेस नेता प्रवीण सिंह कुशवाहा की सड़क हादसे में मौत पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म पर लिखा, ह्यभागलपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रवीण सिंह कुशवाहा जी के सड़क दुर्घटना में हुए असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद है ह्ल उन्होंने आगे लिखा, ह्यसंगठन के प्रति उनकी निष्ठा और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। शोक संतप्त परिजनों, मित्रों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा हूं ह्ल हादसे में परिजन, ड्राइवर हुए घायल इस सड़क हादसे में उनकी साली, भतीजा और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शाम को डॉक्टरों ने प्रवीण सिंह कुशवाहा को मृत घोषित कर दिया। घायलों को मेडिकल कॉलेज तिर्वा में भर्ती कराया गया। दो की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। हादसा कन्नौज के तालग्राम थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे एक्सप्रेसवे पर हुआ।

बिहार में 4 से 6 मई तक बिगड़ा रहेगा मौसम, इन जिलों में तेज आंधी-बारिश का डबल अलर्ट जारी

पटना (एजेंसी) बिहार में 4 मई से 6 मई तक मौसम बेहद खराब रह सकता है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. तेज हवा, बारिश, वज्रपात और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की आशंका है. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की सलाह दी है. बिहार में अगले कुछ दिन मौसम काफी बदला-बदला रहने वाला है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक 4 मई से 6 मई तक राज्य के कई हिस्सों में तेज हवा, बारिश, गरज-चमक, वज्रपात और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हो सकती है. कई इलाकों में हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, इसलिए लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है. 4 मई को इन जिलों में ज्यादा खतरा मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने बताया कि 4 मई को बिहार के कई जिलों में मौसम ज्यादा खराब रह सकता है. पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. यहां तेज आंधी, बारिश, बिजली गिरने और कुछ जगहों पर ओले पड़ने की आशंका है. पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, अरवल, बेगूसराय, लखीसराय और शेखपुरा में येलो अलर्ट रहेगा. यहां भी मौसम खराब हो सकता है, लेकिन खतरा थोड़ा कम माना गया है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने बताया कि 6 मई को भी मौसम शांत नहीं रहेगा. पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद में ऑरेंज अलर्ट रहेगा. यहां तेज हवा और गरज के साथ बारिश ज्यादा असर दिखा सकती है. सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, पटना, नालंदा, जहानाबाद, अरवल, गया, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, शेखपुरा और जमुई में येलो अलर्ट जारी किया गया है.

पटना में डीएम ने की जनगणना की शुरूआत, 31 मई तक घर-घर होगा सर्वे

पटना (एजेंसी) पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन एस. एम. ने जनगणना की शुरूआत की. आज से 31 मई तक अधिकारी घर-घर पहुंचेंगे और सर्वे करेंगे. सर्वे के दौरान डीएम ने जनगणना को बेहद खास बताया. अन्य अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे. देश में जनगणना का काम तेजी से किया जा रहा है. इस बीच बिहार की बात करें तो, आज से घर-घर सर्वे की शुरूआत हो गई है. पटना में डीएम डॉ. त्यागराजन एस. एम. ने जनगणना की औपचारिक तौर पर शुरूआत की. डीएम शनिवार को दानापुर के रामजीचक (दीघा) पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वे किया. पहले फेज में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा. पटना के डीएम ने क्या कहा? इन दौरान जिला स्तरीय समारोह का जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस. एम. ने उद्घाटन किया. उन्होंने जनगणना के महत्व पर जोर डालते हुए कहा कि यह प्रक्रिया देश की विकास योजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है. कार्यक्रम में डीडीसी श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर, एसडीओ अनिरुद्ध पांडेय, बीडीओ आलोक कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे. 2 प्रशासनिक इकाइयों में बंटा पटना जनगणना कार्य को सुचारू और कुशलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से पटना जिले को दो प्रशासनिक इकाइयों में विभाजित किया गया है.

नीतीश से मिल दिल्ली रवाना होंगे सम्राट चौधरी, कैबिनेट विस्तार पर टिकीं निगाहें

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का दिल्ली दौराः शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज दिल्ली जायेंगे. इस दौरान वे कई बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगे. इससे पहले आज ही 7 सर्कुलर रोड आवास में नीतीश कुमार से सीएम सम्राट चौधरी ने मुलाकात की थी. बिहार की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है. आज शाम ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दिल्ली जाने वाले हैं. बताया जा रहा है कि पार्टी के बड़े नेताओं से सम्राट चौधरी की मुलाकात होगी. इस दौरान बिहार में कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है. कई तरह के कयासों का सिलसिला तेज हो गया है. नीतीश कुमार से भी की मुलाकात शनिवार को सीएम सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार से मुलाकात की थी. दोनों के बीच मुलाकात 7 सर्कुलर रोड आवास में हुई. आज ही नीतीश कुमार अपने नए आवास में शिफ्ट हुए. ऐसे में आज ही दोनों के बीच मुलाकात को लेकर चर्चा तेज है कि कैबिनेट विस्तार को लेकर ही बातचीत हुई होगी. लेकिन अब तक आधिकारिक तौर पर कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है. 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने ली थी शपथ 15 अप्रैल को सीएम सम्राट चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम ने शपथ ग्रहण किया था. इसके बाद से सीएम लगातार एक्टिव मोड में हैं. अब सम्राट सरकार की कैबिनेट में किन-किन चेहरों को जगह मिलेगी, इसे लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार का फैसला भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति पर निर्भर माना जा रहा है. कितने मंत्री बनाने की है चर्चा? राजनीतिक गलियारे में चल रही चर्चा के मुताबिक, बिहार में मुख्यमंत्री समेत कुल 36 मंत्री बनाये जा सकते हैं. माना जा रहा है कि सभी पद एक साथ नहीं भरे जाएंगे. पहले की तरह कुछ पद खाली रखे जा सकते हैं ताकि भविष्य की राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से समीकरण साधे जा सकें. नीतीश कुमार सरकार के पुराने फॉमूर्ले के तहत जेडीयू को संख्या और बड़े विभागों में प्राथमिकता मिल सकती है. चर्चा है कि बीजेपी के 14 और जेडीयू के 15 मंत्री बनाए जा सकते हैं.

बेटे के दूल्हा बनने से पहले ही मां की हार्ट अटैक से मौत

पटना (एजेंसी) गोपालगंज के विजयीपुर थाना क्षेत्र के पटखौली गांव में बेटे के दूल्हा बनने से पहले मां की अर्थी उठी. सुबह मटकोर की रस्म के लिए महिलाएं पारंपरिक गीत-संगीत के साथ जा रही थीं. इसी दौरान दूल्हे की 63 वषीर्या मां का नाचते-नाचते आया हार्ट अटैक आया और मौत हो गई. घटना के बाद शादी समारोह की सभी रस्में तत्काल रोक दी गयीं. बारात सीवान जिले के आंदर बाजार जाने वाली थी. दूल्हे के घर शोक का माहौल. गोपालगंज के विजयीपुर थाना क्षेत्र के पटखौली गांव में बेटे के दूल्हा बनने से पहले मां की अर्थी उठी. इससे शादी समारोह का माहौल गमगीन हो गया. विजयीपुर थाने के पटखौली गांव निवासी बुधन बैठा के घर उनके छोटे बेटे लालू बैठा की शादी की तैयारी चल रही थी. शुक्रवार की सुबह मटकोर की रस्म के लिए महिलाएं पारंपरिक गीत-संगीत के साथ जा रही थीं. नाचते वक्त हुई थी घटना इसी दौरान दूल्हे की 63 वषीर्या मां रामसवारी देवी भी खुशी में भांगडा पर झूमते हुए नाच-गाकर रस्म में शामिल हो रही थीं. तभी रास्ते में हार्ट अटैक के कारण वह जमीन पर गिर गयी और उसकी मौत हो गयी. आनन-फानन में इलाज की व्यवस्था की गयी, लेकिन उनकी मौत हो गयी थी. इस हृदयविदारक घटना के बाद शादी समारोह की सभी रस्में तत्काल रोक दी गयीं. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है. बताया जाता है कि मृतका के चार पुत्र हैं, जिनमें दूल्हा लालू बैठा सबसे छोटा है. संयोगवश, तिलक समारोह के दिन भी तेज आंधी-तूफान ने कार्यक्रम को प्रभावित कर दिया था, और अब इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है. शुक्रवार को बारात सीवान जिले के आंदर बाजार जाने वाली थी. लेकिन इस घटना के बाद सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया. घटना की सूचना मिलते ही लड़की पक्ष के लोग भी दो गाड़ियों से दूल्हे के घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की.

गयाजी के मानपुर में अंधाधुंध फायरिंग से दहला इलाका

पटना (एजेंसी) गया जिले के मानपुर इलाके की शिवपुरी इलाके के रोड नंबर एक में आपसी वर्चस्व को लेकर शनिवार की सुबह अंधाधुंध फायरिंग से इलाका दहल गया. शनिवार की सुबह बाइक सवार बदमाशों ने घर को निशाना बनाते हुए फायरिंग की है. घटना की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है. पुलिस अभी कुछ कहने से इन्कार कर रही है. गयाजी के मानपुर इलाके की शिवपुरी कॉलोनी के रोड नंबर एक में आपसी वर्चस्व को लेकर शनिवार की सुबह अंधाधुंध फायरिंग से इलाका दहल गया. सुबह-सुबह हुई इस फायरिंग से लोग सहम गये. सूचना है कि शनिवार की सुबह बाइक सवार बदमाशों ने एक घर को निशाना बनाते हुए फायरिंग की है. जिससे किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है. इस मामले में पुलिस अभी कुछ कहने से इन्कार कर रही है. मुहल्लेवासियों के अनुसार आपसी वर्चस्व में गोलीबारी की गयी है. अपराधियों ने एक घर को निशाना बनाते हुए फायरिंग की है . जिससे मकान की खिड़की का शीशा फूट गया है. साथ ही दीवारों पर गोलियों के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं. गोलीबारी करते हुए बाइक सवार बदमाश वहां से भाग गये. इस घटना की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है. इससे कॉलोनी के लोगों में दहशत का माहौल है. सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है . पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है. इस मामले में पुलिस ने अभी कुछ बताने से इन्कार किया है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. 18 घंटे के भीतर दूसरी बार हुई गोलीबारी

रोहतास में हाइवा और ट्रक की टक्कर में हाइवा के परखच्चे उड़े, ड्राइवर की मौके पर मौत

पटना (एजेंसी) तास जिले के नटवार थाना क्षेत्र के महरोड़ गांव के समीप दिनारा-बिक्रमगंज पथ पर गिट्टी लदा हाइवा और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गयी.इस घटना में हाइवा के परखच्चे उड़ गये और ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई.बिक्रमगंज तरफ से दिनारा की ओर जा रहा था. रोहतास जिले के नटवार थाना क्षेत्र के महरोड़ गांव के समीप दिनारा-बिक्रमगंज पथ पर शनिवार की सुबह आठ बजे गिट्टी लदा हाइवा और ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गयी. जिसमें एक चालक की मौके पर मौत हो गयी हैं . टक्कर इतनी जबरदस्त हुई की हाइवा के परखच्चे उड़ गये. मृतक की पहचान कैमूर भभुआ जिले के चांद थाना इलाके की खरांटी गांव निवासी रामसकल यादल के 30 वर्षीय पुत्र विजय यादव था. वहीं घटना के बाद अज्ञात चालक वाहन के साथ भागने में सफल हो गया. ग्रामीणों ने इसकी सूचना नटवार थाना को दिया था. सूचना प्राप्त होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक हाइवा चालक को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी. टक्कर के बाद दिनारा- बिक्रमगंज पथ पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी. इससे घंटों आवागमन बाधित हो गया. पुलिस ने क्षतिग्रस्त हाइवा के मलबा को हटाकर एक तरफ से आवागमन को बहाल कराया. थानाध्यक्ष ने घटना के बारे में क्या कहा? नटवार थानाध्यक्ष रंजय कुमार ने बताया कि हाइवा पर गिट्टी लदा हुआ है, जो बिक्रमगंज तरफ से दिनारा की ओर जा रहा था. मृतक को पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेजा जा रहा है. थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन व चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जायेगी. हादसे के बाद घंटों तक लगा रहा जाम हाइवा और अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद दिनारा-बिक्रमंगज पथ पर दो घंटों तक जाम लगा रहा. जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का समाना करना पड़ा. पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से किनारे करवाया और आवागमन बहाल किया.

बिहार में 2030 तक तैयार होंगे दो एयरपोर्ट, 100 करोड़ की लागत से शुरू हुई योजना, बनेगा कनेक्टिविटी हब

पटना (एजेंसी) बिहार में सोनपुर और अजगैबीनाथ धाम में दो नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनने जा रहे हैं. सरकार ने परियोजनाओं को मंजूरी देकर काम शुरू करा दिया है. इन एयरपोर्ट्स से पटना का दबाव घटेगा. पूर्वी बिहार को नई हवाई सुविधा मिलेगी और पर्यटन, रोजगार और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा. बिहार के सोनपुर और भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित अजगैबीनाथ धाम में दो नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने की योजना को मंजूरी मिल गई है. इन दोनों परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है. सरकार का कहना है कि इन एयरपोर्ट्स के बनने से बिहार में पर्यटन, व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को नई रफ्तार मिलेगी. पटना एयरपोर्ट का घटेगा दबाव पटना के पास बनने वाला सोनपुर एयरपोर्ट राजधानी क्षेत्र के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है. इससे पटना एयरपोर्ट पर लगातार बढ़ रहे यात्री दबाव को कम करने में मदद मिलेगी. वहीं अजगैबीनाथ धाम एयरपोर्ट पूर्वी बिहार, खासकर भागलपुर और आसपास के इलाकों के लिए हवाई यात्रा का नया केंद्र बनेगा. इससे धार्मिक पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिलने की संभावना है. प्रक्रिया शुरू बिहार नागरिक विमानन विभाग ने दोनों एयरपोर्ट परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये एजेंसी को 16 किस्तों में जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. परियोजना के तहत सोनपुर में करीब 4228.61 एकड़ जमीन और सुल्तानगंज में लगभग 3064.039 एकड़ क्षेत्र में एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे. सरकार ने वर्ष 2030 तक दोनों एयरपोर्ट का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा है. दोनों परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी को दी गई है. इसके लिए करीब 5.06 करोड़ रुपये फी तय किया गया है. जमीन अधिग्रहण के लिए पैसा स्वीकृत जमीन अधिग्रहण पर भी सरकार बड़े स्तर पर निवेश कर रही है. सोनपुर एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण में लगभग 1302 करोड़ रुपये मुआवजा राशि को कैबिनेट मंजूरी दे चुकी है. वहीं भागलपुर क्षेत्र में 931 एकड़ जमीन अधिग्रहण के लिए 472.72 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं. इसमें से 150 करोड़ रुपये संबंधित जिला प्रशासन को जारी भी कर दिए गए

शिक्षिका ने मौसा को भिजवाया जेल, मौसी ने शिक्षिका के पति पर दर्ज कराया केस

पटना (एजेंसी) नरकटियागंज में रिश्तों की मयार्दा शर्मसार हुई है. शिक्षिका के आरोप पर मौसा को जेल भेज दिया गया, वहीं मौसी ने शिक्षिका के पति पर घर में तोड़फोड़ और दुर्व्यवहार की FIR दर्ज कराई है. पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है. : शिकारपुर थाना क्षेत्र में पारिवारिक रिश्तों की मयार्दा तार-तार होने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक शिक्षिका और उसके मौसा-मौसी के बीच छिड़ी कानूनी जंग ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है. मामला अब दोतरफा एफआईआर तक पहुंच गया है, जिसमें एक पक्ष जेल में है और दूसरे पक्ष पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. मौसा पर यौन शोषण का आरोप घटना की शुरूआत पूर्वी चंपारण के पकड़ीदयाल निवासी शिक्षिका वैशाली कश्यप के आवेदन से हुई. शिक्षिका ने अपने मौसा ब्रजेश कुमार गुप्ता पर बहला-फुसलाकर यौन शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है. शिकारपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड संख्या 469/26 दर्ज किया और आरोपी मौसा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. शिक्षिका के पति पर लगाया गंभीर आरोप पति की गिरफ्तारी के तुरंत बाद शिक्षिका की मौसी जुली कुमारी ने भी मोर्चा खोल दिया. उन्होंने शिक्षिका के पति जितेंद्र कुमार के खिलाफ जवाबी मामला दर्ज कराया है. जुली कुमारी का आरोप है कि जितेंद्र ने उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की और उनके साथ अभद्र व्यवहार व गलत हरकत करने की कोशिश की. पुलिस ने इस शिकायत पर कांड संख्या 470/26 दर्ज कर ली है. जांच में जुटी पुलिस शिकारपुर थानाध्यक्ष ज्वाला सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज कर लिया गया है. एक आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि दूसरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है. पुलिस कॉल डिटेल्स और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन आरोपों के पीछे की असली सच्चाई क्या है. फिलहाल, इस रिश्तों की जंग की चर्चा पूरे शहर में है.

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की किल्लत से हाहाकार, पंपों पर लगी लंबी कतारें

पटना (एजेंसी) शिवहर में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की भारी कमी से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं. बारिश और बिजली कटौती ने गैस आपूर्ति की समस्या को और गंभीर बना दिया है शिवहर शहर और इसके आसपास के इलाकों में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की भारी किल्लत हो गई है. ईंधन की कमी के कारण जिले में हाहाकार मचा हुआ है. शहर के प्रमुख पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही बाइक, चार पहिया वाहनों और ऑटो की लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं. ईंधन नहीं मिलने के कारण कई लोग मायूस होकर घर लौट रहे हैं, वहीं दर्जनों लोग इस उम्मीद में पंप पर ही डटे हैं कि शायद तेल की आपूर्ति बहाल हो जाए. दो-तीन दिनों से इंतजार कर रहे चालक ईंधन संकट का सबसे बुरा असर परिवहन सेवाओं पर पड़ा है. सीएनजी ऑटो चालकों ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि वे पिछले दो से तीन दिनों से गैस के लिए कतार में खड़े हैं. काम-काज ठप होने से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है. वहीं, बाइक सवारों का कहना है कि वे शहर के एक पंप से दूसरे पंप का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है. बिजली की आंख-मिचौनी ने बढ़ाई मुसीबत पेट्रोल पंप के नोजल मैन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पेट्रोल की जो खेप आई थी, वह समाप्त हो गई है. फिलहाल सीएनजी गैस उपलब्ध है और ऑटो चालकों को बारी-बारी से गैस दी जा रही है. हालांकि, उन्होंने एक नई समस्या की ओर इशारा करते हुए कहा कि बारिश के कारण विद्युत विभाग द्वारा बार-बार बिजली काटी जा रही है. बिजली नहीं रहने के कारण मशीनों से गैस भरने में देरी हो रही है, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है. पेट्रोल किल्लत पर एसडीएम का निरीक्षण शिवहरः जिले में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है. डीएम प्रतिभा रानी के निर्देश पर एडीएम अविनाश कुणाल ने शनिवार को शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया. उन्होंने पंप संचालकों से स्टॉक की जानकारी ली, जिसमें सामने आया कि शुक्रवार को आया पेट्रोल कुछ ही घंटों में खत्म हो गया. एडीएम ने कहा कि किल्लत अस्थायी है, डिपो बंद रहने और मजदूर दिवस के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई. जल्द ही स्थिति सामान्य होगी. फिलहाल अधिकांश पंपों पर पेट्रोल-डीजल नहीं होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है. जनजीवन प्रभावित, प्रशासन से उम्मीद शहर में इस ईंधन किल्लत के कारण दैनिक यात्रियों और स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है. लोग पेट्रोल-डीजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं ताकि जिले की रफ्तार फिर से लौट सके.

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्‌भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

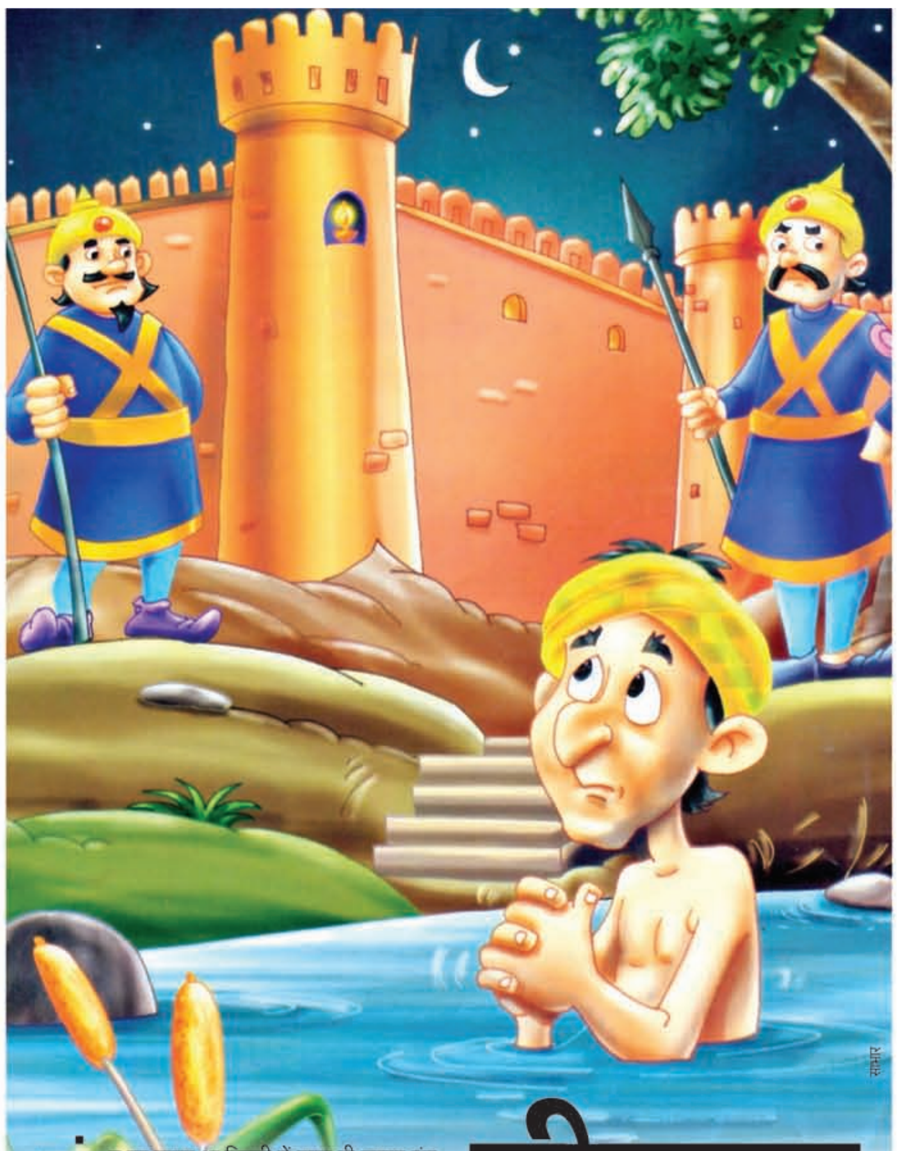

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा। जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा। अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया। अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है ।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क (एजेंसी)। डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की। क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3~30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी।

सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने 76 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को 243 रनों के विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की थी, जो उनकी बल्लेबाजी इकाई की गहराई और क्षमता को बखूबी दर्शाता है। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से टीम की गेंदबाजी को भी मजबूती मिली है, जो पहले से ही संतुलन में दिख रही है। प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा जैसे युवा और अनुभवी गेंदबाज भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा योगदान दे रहे हैं, जिससे टीम एक पूर्ण और आत्मविश्वास से भरी इकाई के रूप में दिख रही है।

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीज़न में उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है और वे उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुज़र रही है। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि उन्होंने हाल के दो मैच जीते हैं, लेकिन टीम में अभी भी स्थिरता की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में टीम अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। बल्लेबाजी विभाग में फिन एलन और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय रहा है, जबकि वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी ने भी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। कोलकाता को अब हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने की सख्त जरूरत है ताकि वे टूर्नामेंट में अपनी स्थिति में सुधार कर सकें और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहें।

दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 65 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी, जो इस आगामी मैच में उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। सनराइजर्स अपनी जीत की हैट्रिक को छह मैचों तक ले जाना चाहेगी, जबकि केकेआर उस हार का बदला लेने और अपने सीज़न को पटरी पर लाने की पुरजोर कोशिश करेगी। यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है, जिसमें सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी और केकेआर की वापसी की भूख के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग, विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं।

225 रन बनाकर भी राजस्थान हारा, गेंदबाज़ों के सिर फोड़ा रियान पराग ने ठीकरा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने जब 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया होगा, तब शायद उसने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी टीम इतना बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद हार जाएगी। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ों, खासकर केएल राहुल और पथुम निसांका की शानदार पारियों ने राजस्थान के इस स्कोर को बौना साबित करते हुए उन्हें एक करारी शिकस्त दी। दिल्ली के खिलाफ हार के बाद राजस्थान के कप्तान रियान पराग बेहद निराश नज़र आए और उन्होंने अपनी टीम की गलतियों को स्वीकार करते हुए हार का ठीकरा गेंदबाज़ों पर फोड़ा। पराग ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम से कहाँ गलती हुई जिसकी वजह से उन्हें 10 में से चौथी मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीच के ओवरों में उनके गेंदबाज़ों ने खूब रन लुटाए और लगभग हर ओवर में बाउंड्री भी दिए, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनका मानना था कि 200 के आसपास का स्कोर ठीक था, लेकिन बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाज़ी की जा सकती थी ताकि विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जा सके। केएल राहुल (40 गेंद में 75 रन) और पाथुम निसांका (33 गेंद, 62 रन) के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुँच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' रहे राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 110 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी हुई। इसके बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली, और फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) ने टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुँचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय ब्रिगेड का ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों को मिला मौका, हरमनप्रीत को कमान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस बार 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को दी गई है, जबकि स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अमिता शर्मा, सचिव देवजीत सैकिया, कप्तान कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के चयन में कुछ बड़े और चौंकाने वाले फैसले दिखाई दिए हैं। प्रतिका रावल को टीम में जगह नहीं मिल सकी है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव की वापसी हुई है। इसके अलावा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा को भी टीम में शामिल किया है, जो अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भी मैच नहीं खेली हैं। वह घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर चर्चा में आई थीं। राधा यादव की वापसी को चयनकर्ताओं ने उनके हालिया ऑलराउंड प्रदर्शन का इनाम बताया है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं यास्तिका चोट से उबरकर

टीम में लौटी हैं। उन्होंने घुटने की सर्जरी के बाद लंबे समय तक क्रिकेट से दूरी बनाई थी और अब फिट होकर वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी विभाग इस समय चोटों से जूझ रहा है। ऑलराउंडर अमनजोत कौर पीठ की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि कशवी गौतम को घुटने की गंभीर चोट के चलते ऑपरेशन कराना पड़ा है। इसके बाद नंदनी शर्मा को टीम में शामिल कर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने की कोशिश की गई है।

भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप 1 में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमें शामिल हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होगा। भारत अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सका है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में टीम उपविजेता रही थी। अब 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरानी, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव का नाम शामिल है।

जैमीसन को बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाना पड़ा मंहगा

नई दिल्ली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गेंदबाज़ों की ताबड़तोड़ कुटाई कर रहे राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खामोश रहा, जब वे सिर्फ़ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इस विकेट के बाद दिल्ली के न्यूजीलैंड तेज़ गेंदबाज़ काइल जैमीसन के आक्रामक जश्न ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी, और उन्हें प्रशंसकों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी और 250 से अधिक की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं, उनका विकेट किसी भी टीम के लिए बेहद अहम माना जाता है। काइल जैमीसन ने शानदार यॉर्कर फेंकी, जिससे 15 वर्षीय सूर्यवंशी के पास कोई जवाब नहीं था और वे क्लीन बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद, जैमीसन ने बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने सूर्यवंशी के सामने ज़ोर-ज़ोर से ताली बजाई और उन्हें सैंड ऑफ दिया, मानो उन्होंने किसी महान बल्लेबाज़ का विकेट हासिल किया हो। हालांकि जैमीसन के इस आक्रामक व्यवहार ने शायद उनकी टीम को पसंद आया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसकी कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने जैमीसन के व्यवहार को अनुचित बताया, खासकर इसलिए क्योंकि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ़ 15 साल के युवा खिलाड़ी हैं। यह बात सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी कि एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ का एक किशोर खिलाड़ी के प्रति ऐसा व्यवहार कितना उचित है। एक यूज़र ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए लिखा, अरे भाई ठंड रखो, वो सिर्फ़ 15 साल का ही है। एक अन्य यूज़र ने टिप्पणी की, अरे भाई, एक 15 साल के बच्चे का विकेट लेकर इतना खुश हो रहे हैं। ऐसे जश्न मना रहे हो यह बता रहा है कि उनका लगाया चौका आपके इगो को हर्ट कर गया। कई प्रशंसकों ने जैमीसन के इस कृत्य पर हँसते हुए इमोजी का उपयोग करके उनकी खिल्ली उड़ाई और सवाल उठाया कि क्या खेल भावना का सम्मान नहीं करना चाहिए। प्रशंसकों की नाराज़गी इस बात पर केंद्रित थी कि खेल में खेल भावना का सम्मान होना चाहिए, और एक युवा खिलाड़ी के प्रति इस तरह का आक्रामक सैंड ऑफ उचित नहीं था, भले ही वह विकेट कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न रहा हो। इस घटना ने एक बार फिर आईपीएल में खिलाड़ियों के व्यवहार और खेल भावना के महत्व पर एक नई चर्चा का विषय छेड़ दिया है, जहाँ फैंस उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और परिपक्वता भी दिखाएं।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।÷ इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की

उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं।

एक नजर

जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का हुआ शुभारंभ

जम्मू : शनिवार को जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ हो गया है और यात्रियों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया है और कहा है कि इससे क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हरी झंडी दिखाकर जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह संचालन शुरू हुआ है। उम्मीद है कि यह ट्रेन सेवा जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी के बीच यात्रा को काफी बेहतर बनाएगी। यात्रियों ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे बेहतर कनेक्टिविटी, यात्रा के समय में कमी और क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कह , यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के उद्घाटन के बाद यह ट्रेन आज से नियमित रूप से चलने लगी है और हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस ट्रेन से कई चीजें बदलेंगी, और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी इससे आर्थिक रूप से लाभ होगा।

जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो जाएंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली: विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 02 से 10 मई तक जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री तीनों देशों के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्री की इस यात्रा का उद्देश्य जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ भारत की राजनीतिक गतिविधियों को गति देना और इन देशों के साथ हमारे दीर्घकालिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना है, जो दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास के प्रति पारस्परिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि गिरमिटिया समुदाय की उपस्थिति के कारण इन देशों का भारत के साथ विशेष संबंध है। विदेश मंत्री के इन देशों के प्रमुख व्यापारिक नेताओं और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ द्विपक्षीय बैठकें और बातचीत करने की भी उम्मीद है।

जबलपुर क्रूज हादसाः मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई

जबलपुर : मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी डैम पर हुए भीषण क्रूज हादसे में मरने वालों का आंकड़ा अब 11 तक पहुंच गया है। पिछले दो दिनों से जारी सर्च ऑपरेशन के बाद, शनिवार को बचाव दल ने दो और बच्चों के शव बरामद किए हैं। आज मिले शवों की पहचान 4 साल के विराज सोनी और 5 साल के श्रीतमिल के रूप में हुई है। दुखद बात यह है कि विराज की माँ, नीतू सोनी की मौत भी इस हादसे में एक दिन पहले हो चुकी थी। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार डैम के गहरे हिस्सों में तलाश कर रही हैं। हालांकि, शनिवार दोपहर को आए तेज तूफान और खराब मौसम की वजह से बचाव कार्य में काफी बाधा आई। प्रशासन के अनुसार, दो बच्चों सहित 3 लोग अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए सर्चिंग का दायरा बढ़ाया जा रहा है। कैसे हुआ हादसा यह हादसा गुरुवार शाम करीब 5 बजे हुआ जब एमपी टूरिज्म का एक क्रूज पर्यटकों को लेकर बरगी डैम में था।

योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित "श्रमवीर गौरव समारोह" का किया शुभारंभ

हर श्रमिक परिवार को मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा : सीएम

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' में श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदेश का विकास तभी सार्थक है, जब श्रमिक वर्ग सशक्त और सुरक्षित हो। इसी दृष्टि से राज्य सरकार श्रमिक परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा कवच से जोड़ने का अभियान तेजी से आगे बढ़ा रही है। अब तक 12 लाख 26 हजार निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड सुविधा दी जा चुकी है, जिससे उनके परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध हो रहा है। शेष 15 लाख 83 हजार श्रमिकों को भी शीघ्र इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। औसतन एक परिवार में 5 सदस्यों के आधार पर, यह पहल 75 से 80 लाख लोगों को स्वास्थ्य बीमा का

लाभ देगी। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश में कम से कम 1 करोड़ श्रमिक परिवारों, यानी लगभग 5 करोड़ लोगों तक इस योजना का सीधा लाभ पहुंचाना है, जो प्रदेश के इतिहास में श्रमिक कल्याण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। श्रमिकों के पसीने से ही नए भारत का निर्माण हो रहा अटल आवासीय विद्यालय के पहले बैच के मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में वर्ष 2023 में अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना एक नई मिसाल बनी। इन बच्चों ने सीबीएसई बोर्ड की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता के अथक श्रम व पसीने की लाज रखी है। नए भारत के निर्माण में आप सभी श्रमिक भाई-बहन प्रधानमंत्री जी के विजन के वास्तविक शिल्पकार हैं। सर्दी-गर्मी, आंधी-तूफान की परवाह किए बिना आप जो पसीना बहाते हैं, उसकी एक-एक बूंद धरती माता को सोना उगलने की शक्ति देती है। पहले विडंबना यह थी कि जो श्रमिक दूसरों को छत, अन्न और अस्पताल देते थे, स्वयं उनके पास आवास नहीं होता था, उनके बच्चे भूख से तड़पते थे और उन्हें इलाज की सुविधा नहीं मिलती थी। लेकिन अब प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'श्रममेव जयते' मंत्र के साथ श्रमिकों को सम्मान और गौरव मिल रहा है।

श्रमिक अब सम्मान और सुविधाओं का हकदार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने महाकुंभ के दौरान श्रमिकों के पैर धोकर और अयोध्या-काशी में पुष्पवर्षा कर उनके श्रम और समर्पण का अनुपम सम्मान किया। इसी संवेदनशीलता के कारण आज श्रमिक किसी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बन सका है। कभी कोई सोच भी नहीं सकता था कि श्रमिक के पास भी अपना पक्का घर होगा। लेकिन पिछले 12 वर्षों में देश में 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास मिला है, जिनमें उत्तर प्रदेश में 65 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत घर उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही देश में 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 61 लाख परिवार शामिल हैं। अब गरीब भी उस अस्पताल में इलाज करा सकता है, जिसके निर्माण में श्रमिक का पसीना लगा है, क्योंकि आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध है। साथ ही श्रमिकों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अटल आवासीय विद्यालय शुरू किए गए हैं और आज जेवर में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय की आधारशिला रखी गई है। अब श्रमिक परिवारों को गैस, राशन, आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। उज्ज्वला योजना, निःशुल्क राशन और अन्य योजनाओं से गरीब के हक की रक्षा हो रही है और उनकी मेहनत को सच्चा सम्मान मिल रहा है।

हैदराबाद में 6,000 लोगों ने एक साथ किया भुजंगासन, बना एशिया रिकॉर्ड

एजेंसी

हैदराबाद : 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 50 दिनों की उलटी गिनती के अवसर पर हैदराबाद के कान्हा शांति वनम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई। इस भव्य आयोजन में करीब 6,000 लोगों ने एक साथ 'भुजंगासन' कर नया एशिया रिकॉर्ड बनाया। यह कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों ने निर्धारित समय तक एक साथ भुजंगासन का अभ्यास करते हुए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया, जिसे आधिकारिक मान्यता भी प्राप्त हुई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं था, बल्कि लोगों को योग को अपनी दैनिक

जीवनशैली में शामिल करने के लिए प्रेरित करना भी था। कार्यक्रम में विभिन्न देशों के उच्चायोग के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़े, जबकि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए योग साधकों और शरणार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। योगाभ्यास का नेतृत्व संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ ने किया, जिन्होंने प्रतिभागियों को सही तरीके से आसन करने के लिए मार्गदर्शन दिया।

रांची के 7 वर्षीय इशांक ने 'पाक जलडमरूमध्य' तैरकर पार करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के बने तैराक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के एक नन्हे लाल ने अपनी हिम्मत और जुनून से समंदर की लहरों को मात दे दी है। 7 वर्षीय इशांक सिंह ने श्रीलंका से भारत तक फैले पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वह ऐसा करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के और सबसे तेज तैराक बन गए हैं। अद्भुत रिकॉर्डः श्रीलंका से भारत तक का सफरइशांक ने गुरुवार को श्रीलंका के तलाईमन्नार से अपनी तैराकी शुरू की और भारत के धनुषकोडी तक की चुनौतीपूर्ण दूरी को महज 9 घंटे 50 मिनट में पूरा किया। इस उपलब्धि के साथ उनके नाम अब दोहरे रिकॉर्ड (सबसे कम उम्र और सबसे तेज

तैराक) दर्ज हो गए हैं। धुर्वा डैम से विश्व रिकॉर्ड तक का सफरइशांक की इस सफलता के पीछे कड़ी मेहनत और कोच अमन कुमार जायसवाल का मार्गदर्शन है। इशांक रांची के धुर्वा डैम में रोजाना 4 से 5 घंटे अभ्यास करते हैं और 15-20 किमी तैरते हैं। सप्ताह में एक दिन वह लगातार 8 घंटे तक पानी में रहकर अपनी मानसिक और शारीरिक मजबूती का परीक्षण करते हैं। उन्होंने मात्र ढाई साल की उम्र से तैराकी सीखना शुरू कर दिया था। परिवार और स्कूल को गर्वडीएवी श्यामली में तीसरी कक्षा के छात्र इशांक की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता मनीषा और सुनील बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि इशांक के लिए तैराकी कोई खेल नहीं बल्कि उसका जुनून है। इससे पहले इशांक ने मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया इवेंट में भी तीसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

झारखंड सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल ने नए झारखंड भवन का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली : झारखंड सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल ने शनिवार को न्यू झारखंड भवन का विस्तृत औचक निरीक्षण कर समग्र व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान भवन की मेंटेनेंस, हाउसकीपिंग, रसोई संचालन, कर्मचारियों की उपस्थिति विवरणी, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का भौतिक सत्यापन किया गया। उन्होंने अधिकारियों को न्यू झारखंड भवन को बेहतर प्रशासनिक समन्वय एवं जनसुविधाओं के मॉडल केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही, कर्मचारियों का सुव्यवस्थित विवरण संधारित करने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को

अधिक पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनाने हेतु इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल एवं डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने पर बल दिया। ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली शुरू करने एवं मैनुअल रिकॉर्ड को नियमित रूप से अपडेट रखने, शौचालय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं कूड़ा-कचरा प्रबंधन को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के सख्त निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं शिकायतों की जानकारी ली तथा उनके त्वरित, व्यवहारिक एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, न्यू झारखंड भवन परिसर में उद्योग विभाग एवं JTDYC कार्यालय प्रारंभ करने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिससे दिल्ली स्थित झारखंड भवन को राज्य के प्रशासनिक, औद्योगिक, पर्यटन एवं जनसंपर्क गतिविधियों के प्रभावी केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रसोई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि भोजन की आपूर्ति समय पर एवं बिना किसी विलंब के सुनिश्चित की जाए, ताकि भवन में ठहरे अतिथियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गीतकार प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने प्रसिद्ध गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से शनिवार को एक जारी बयान में यह जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रसार भारती के पूर्व अध्यक्ष नवनीत सहगल ने गत चार दिसंबर को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। तब से यह पद खाली था। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नियुक्ति पर प्रसून जोशी को बधाई दी। उन्होंने कहा, "प्रसून जोशी को साहित्य, विज्ञापन और सिनेमा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। प्रसून एक विलक्षण रचनात्मक व्यक्तित्व हैं, जिन्हें विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा जगत में विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त है, फिर भी उनका हृदय भारत के लिए धड़कता है।

एलपीजी सिलेंडरों की सौ फीसदी सप्लाई की जा रही सुनिश्चित, आपूर्ति ठप होने की कोई रिपोर्ट नहीं : सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर सिलेंडर खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। घरेलू परिवारों को एलपीजी सिलेंडरों की 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कल ऑनलाइन घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग बढ़कर 99 फीसदी हो गई, जबकि

ओटीपी आधारित डिलीवरी 94 फीसदी से ज्यादा हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि मार्च, 2026 से अब तक लगभग 5.96 लाख पीएनजी गैस कनेक्शन दिए गए हैं और 2.68 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, इसके साथ ही लगभग 6.66 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है।

मंत्रालय ने कहा कि 9 अप्रैल, 2026 से मुंबई, कोच्चि, विजाग, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों ने रसायन, फार्मा और पेंट उद्योग को 10,000 मीट्रिक टन से अधिक प्रोपलीन और 1200 मीट्रिक टन से अधिक ब्यूटाइल एक्रिलेट बेचा है। वहीं, अबतक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हुई हैं, इनमें पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से सुरक्षित स्वदेश वापसी करने वाले 30 नाविक भी शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी करने से बचें क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

मंत्रालय ने कहा कि अफवाहों से सावधान रहें और सही जानकारी के लिए आधिकारिक स्त्रोतों पर भरोसा करें। एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और वितरकों के पास जाने से बचें। नागरिकों को वैकल्पिक ईंधन जैसे कि पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू, यात्रियों ने बताया ऐतिहासिक क्षण

जम्मू: जम्मू से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शनिवार से शुरू हो गया है। यात्रियों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से विस्तारित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया था, जिसका आज विधिवत संचालन शुरू हो गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह संचालन शुरू हुआ है। यात्रियों ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे बेहतर कनेक्टिविटी, यात्रा के समय में कमी और क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के उद्घाटन के बाद यह ट्रेन आज से नियमित रूप से चलने लगी है और हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस ट्रेन से कई चीजें बदलेंगी और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी इससे आर्थिक रूप से लाभ होगा। जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल यात्रियों का समय बचा रही है, बल्कि पहाड़ों के बीच एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव दे रही है। जम्मू तवी से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ने लगभग 270 किलोमीटर की दूरी तय की। जम्मू तवी से श्रीनगर पहुंचने में वंदे भारत एक्सप्रेस को 04 घंटे 50 मिनट का समय लगा। पहले इस सफर में सड़क मार्ग से 7 से 8 घंटे लग जाते थे लेकिन अब वंदे भारत के जरिए यह दूरी काफी कम समय में और बिना किसी थकान के पूरी की जा सकेगी।

छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर में खदान ठेकेदार के ठिकानों पर जीएसटी की छापेमारी

कांकेर: छत्तीसगढ़ के जिले के भानुप्रतापपुर में शुक्रवार देर रात जीएसटी विभाग की संयुक्त टीम ने खदान ठेकेदार अरविंद साहू के निवास और कार्यालय पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई ठेकेदार के बाजारपारा स्थित निवास और दल्ली रोड स्थित कार्यालय में एक साथ की गई। इस कार्रवाई में दिल्ली और रायपुर से आए जीएसटी अधिकारियों की संयुक्त टीम शामिल थी। हालांकि छापेमारी के पीछे के कारणों को लेकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया है। दिल्ली और रायपुर से पहुंचे अधिकारियों ने दो अलग-अलग वाहनों में आकर यह कार्रवाई की, जो रात करीब 11 बजे शुरू होकर एक बजे तक चली। इस पूरी कार्रवाई को बेहद गोपनीय रखा गया था, यहां तक कि स्थानीय पुलिस और प्रशासन को भी इसकी पहले से जानकारी नहीं थी। टीम ने पूरी जांच चुपचाप पूरी की और निर्धारित समय के भीतर लौट गई। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई वित्तीय अनियमितताओं के संदेह में की गई है। जीएसटी टीम ने खदान ठेकेदार अरविंद साहू के भानुप्रतापपुर के बाजार पारा स्थित निवास और दल्ली राजहरा रोड स्थित कार्यालय को एक साथ खंगाला। छापेमारी के दौरान वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों, कंप्यूटर रिकार्ड और अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस की गहन जांच की गई। अधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि टीम अपने साथ कार्यालय से प्रिंटर और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर गई है। अरविंद साहू और उनकी फर्म 'अरविंद कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर' पहले भी विभाग की रडार पर रहे हैं। इससे पहले 20 नवंबर 2024 को भी स्टेट जीएसटी कमिश्नर के नेतृत्व में एक बड़ी कार्रवाई की गई थी। उस समय उनके रायपुर (जोरा स्थित मुख्यालय) और भानुप्रतापपुर के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई थी। पिछली बार भी यह कार्रवाई जीएसटी चोरी और फर्जी बिलों की शिकायतों के आधार पर की गई थी। अरविंद साहू नीको जायसवाल ग्रुप की खदानों में ठेका कार्य और परिवहन से जुड़े हुए हैं।

मप्र में गेहूं खरीदी व्यवस्था बनीं किसानों की परेशानी, स्लॉट बुकिंग में हो रही समस्या

भोपाल : मध्य प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का काम जारी है, लेकिन किसानों के लिए यह प्रक्रिया राहत देने के बजाय मुसीबत बनती जा रही है। प्रदेश में अब तक करीब 5 लाख किसानों से 20 लाख टन गेहूं खरीदा जा चुका है। राज्य सरकार ने 100 लाख टन खरीदी का लक्ष्य रखा है। स्लॉट बुकिंग की तारीख बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं चरमराई हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निरीक्षण के बाद भी हालात में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा। खरीदी प्रक्रिया में सबसे बड़ी परेशानी स्लॉट बुकिंग को लेकर सामने आ रही है। सर्वर और इंटरनेट की धीमी गति ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सतना के मौहारी और खंडवा के केंद्रों पर किसान 2 से 3 दिनों से तुलाई का इंतजार कर रहे हैं। कई किसानों का कहना है कि उन्हें स्लॉट बुक करने के लिए दो-दो रातें जागना पड़ रहा है, तब जाकर नंबर मिल पा रहा है। हालांकि खाद्य मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि किसानों समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। खरीदी केंद्रों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। कटनी के डोकरिया केंद्र पर एक महिला किसान से पोर्टल एंट्री के नाम पर 810 रुपये मांगने का मामला सामने आया है। हरदा और देवास में किसानों का आरोप है कि प्रति ट्रॉली 2 से 5 किलो गेहूं 'सैंपल' के नाम पर लिया जा रहा है। इसके अलावा झाड़ू और पल्लेदारी के नाम पर भी पैसे वसूले जा रहे हैं। देवास में प्रति क्विंटल 1.5 किलो तक की कटौती मिट्टी और चूरी बताकर की जा रही है। आगर मालवा और देवास सहित कई जिलों के खरीदी केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी साफ नजर आ रही है। प्रशासन के निर्देशों के बावजूद किसानों के लिए न तो छांव की व्यवस्था है और न ही ठंडे पानी की। किसान चिलचिलाती धूप में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के नीचे बैठने को मजबूर हैं। इसके अलावा कटनी के मुरवारी केंद्र पर चार दिनों से खरीदी बंद है, क्योंकि वहां खराब और फटा हुआ बारदाना भेजा गया है।
खरीदी के बाद गेहूं का उठाव नहीं हो पा रहा, जिससे अनाज खुले में पड़ा है और बारिश से खराब होने का खतरा बना हुआ है।
खरीदी और भुगतान में देरी के कारण किसान आर्थिक संकट में हैं। छतरपुर के किसानों का कहना है कि शादी-ब्याह जैसे जरूरी कामों के लिए उन्हें 3 से 5 प्रतिशत ब्याज पर साहूकारों से कर्ज लेना पड़ रहा है। कई किसान मजबूरी में समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय खुले बाजार में 300-400 रुपये कम कीमत पर गेहूं बेच रहे हैं। नीमच, रतलाम और रायसेन सहित कई जिलों में किसानों को 6-6 घंटे तक धूप में इंतजार करना पड़ रहा है। रतलाम के नामली केंद्र पर स्लॉट बुकिंग के तीन दिन बाद नंबर आ रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**